Website: www.winews.in | Email: winews.in@gmail.com | दिल्ली, नोएडा,हापुड़, फरीदाबाद, मोदीनगर, मेरठ, सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, रुड़की, हरिद्वार, देहरादून, मुरादाबाद, बुलंदशहर, अलीगढ़ मथुरा, आगरा,राजस्थान, पंजाब, बहराइच,रामपुर, लखनऊ, काशीपुर, देवबंद में प्रसारित

दैनिक वेलकम इंडिया

गाजियाबाद से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

RNI NO. UPHIN/2018/76874

नये भारत की नई सोच

वर्षः 07 अंकः 136 | मंगलवार, 26 मई-2026 (गाजियाबाद) | पेज-8 | मूल्य-एक रुपया

जैसलमेर में 300 गायों के शवों का अंबार, डंपिंग यार्ड में दिखा लापरवाही का चौंकाने वाला मंजर

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

जैसलमेर। जैसलमेर जिला मुख्यालय से लगभग 7 किलोमीटर दूर स्थित एक कचरा डंपिंग स्थल पर 300 से अधिक मृत गायें मिलीं। पुलिस ने इस बात की जानकारी दी है। रविवार को नगर निगम के डंपिंग यार्ड में सड़ते हुए शव मिले, जिसके बाद इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया और क्षेत्र में व्यापक आक्रोश फैल गया। इस घटना ने मृत पशुओं के अवशेषों के निपटान के लिए जिम्मेदार अधिकृत ठेकेदार की कथित लापरवाही को उजागर किया है।

नगर परिषद के अधिकृत मृत पशु ठेकेदार द्वारा इन मृत गायों का उचित निपटान न करने से आम जनता और गौ प्रेमियों में गहरा असंतोष पैदा हो गया है। मामले का संज्ञान लेते हुए, जैसलमेर जिला कलेक्टर अनुपमा जोरवाल ने इस मामले पर एक तथ्यात्मक रिपोर्ट की मांग की है। इसके अलावा, नगर परिषद आयुक्त लाजपाल सिंह सोढ़ा ने घटना का संज्ञान लेते हुए ठेकेदार को कारण बताओ नोटिस जारी कर स्पष्टीकरण मांगा है, क्योंकि खुले में पड़े शवों से पर्यावरण प्रदूषण का गंभीर खतरा है।

प्रशासनिक हस्तक्षेप के बाद, नगर परिषद के ठेकेदार ने डंपिंग यार्ड से मृत गायों के शवों को हटाने और उनका उचित निपटान करने के लिए जेसीबी मशीनें तैनात कीं। यह घटना जैसलमेर जिला मुख्यालय से लगभग 7 किलोमीटर दूर रामगढ़ रोड पर स्थित नगर परिषद के डंपिंग यार्ड में घटी। शनिवार को, कुछ गौप्रेमी उस क्षेत्र में गए और जमीन पर बिखरे हुए 300 से अधिक मृत गायों के शवों को देखकर

बेहद परेशान हो गए। रविवार को जब वीडियो वायरल हुए, तो जनता का गुस्सा भड़क उठा, जिसके बाद जिला प्रशासन और नगर परिषद ने ठेकेदार को तुरंत साइट साफ करने का निर्देश दिया और एक औपचारिक नोटिस जारी किया। मामले को गंभीरता से लेते हुए नगर परिषद आयुक्त लाजपाल सिंह सोढ़ा ने मृत पशुओं की हड्डियों के ठेकेदार गोपरम, पुत्र दुदाराम, निवासी सुवाला गांव, बालासर चौकी, शिव तहसील, बाड़मेर जिले को नोटिस जारी किया।

आधिकारिक नोटिस में कहा गया है कि उपरोक्त विषय के संबंध में, आपको वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए खुली नीलामी के माध्यम से जैसलमेर नगर परिषद की सीमा के भीतर मृत पशुओं, खाल और हड्डियों को उठाने का ठेका दिया गया था। हमें पता चला है कि आप मृत पशुओं को डंपिंग यार्ड में खुले में फेंक रहे हैं, जिससे आसपास का वातावरण प्रदूषित हो रहा है और स्थानीय निवासियों द्वारा विरोध किया जा रहा है। हालांकि डंपिंग यार्ड में मृत पशुओं के लिए एक विशिष्ट गड्ढा/निर्दिष्ट क्षेत्र निर्धारित किया गया था, आप मृत पशुओं को कहीं और फेंक रहे हैं। आपका यह कृत्य नियमों के विरुद्ध है।

ठेकेदार को स्पष्टीकरण देने का निर्देश दिया गया है और उसे ऐसी घटना को न दोहराने की सख्त चेतावनी दी गई है। ऐसा न करने पर कानूनी कार्रवाई शुरू की जाएगी, हड्डियों की नीलामी का अनुबंध रद्द कर दिया जाएगा और जमानत राशि जब्त कर ली जाएगी। हालांकि राजनीतिक मंचों पर गौ संरक्षण के नारे अक्सर सुनाई देते हैं, लेकिन जमीनी हकीकत अक्सर भयावह होती है। जैसलमेर से सामने आ रही सैकड़ों मृत गायों की भयावह तस्वीरें पशुओं की देखभाल और संरक्षण के दावों की विश्वसनीयता पर गंभीर सवाल खड़े करती हैं।

राजस्थान की भाजपा सरकार ने गाय, धर्म और सनातन के नाम पर जनता से वोट तो ले लिए, लेकिन आज जैसलमेर में भूख और बदहाली से मरती गायें उसकी असलियत उजागर कर रही हैं। जिन ओरण और गोचर भूमियों पर सदियों से गौमाता चरती थी, उन्हें बड़े उद्योगपतियों और कंपनियों को सौंप दिया गया।

केएमसी नोटिस के बाद अभिषेक बनर्जी के घर पुलिस, सियासी पारा हाई

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। सोमवार को कोलकाता पुलिस पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता के शांतिनिकेतन स्थित तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सांसद अभिषेक बनर्जी के आधिकारिक आवास पर पहुंची, जो 188ए हरीश मुखर्जी रोड पर है।

हालांकि, अधिकारी बिना कोई बयान जारी किए थोड़ी देर बाद ही वहां से चले गए। यह घटनाक्रम टीएमसी द्वारा संचालित कोलकाता नगर निगम (केएमसी) द्वारा अभिषेक को उनसे जुड़ी कई संपत्तियों के संबंध में नोटिस जारी करने और उनसे स्वीकृत भवन योजनाओं से संबंधित दस्तावेज दिखाने के निर्देश देने के कुछ दिनों बाद सामने आया है। अभिषेक के स्वामित्व वाली या उनसे जुड़ी 17 से 21 संपत्तियों के संबंध में भेजे गए ये नोटिस कोलकाता नगर निगम अधिनियम, 1980 की धारा 400(1) के तहत भेजे गए थे। यह अधिनियम अधिकारियों को अनधिकृत निर्माण के संबंध में स्पष्टीकरण मांगने का अधिकार देता है। हालांकि, कोलकाता के मेयर फिरहाद हकीम ने नोटिसों से किसी भी तरह के संबंध से इनकार किया था। टीएमसी विधायक हकीम ने पिछले हफ्ते कहा था कि केएमसी अधिनियम के अनुसार, हम नीति निमार्ता हैं, और मुझे इस बारे में कोई जानकारी नहीं है। इस बीच, इन नोटिसों ने सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को टीएमसी पर हमला करने का मौका दिया, जिसने हाल ही में 2026 के पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों में भाजपा से सत्ता गंवाई है।

योगी राज की तरह बंगाल में भी गैंगस्टरों पर टूट रहा पुलिस का कहर

गैंगस्टर आकाश सिंह को पुलिस ने कच्छे में सड़कों पर घुमाया

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

पश्चिम बंगाल। पश्चिम बंगाल में सत्ता परिवर्तन के बाद अब अपराधियों और माफियाओं की हालत वैसी ही दिखाई देने लगी है जैसी उत्तर प्रदेश में योगी सरकार बनने के बाद से है। पश्चिम बंगाल में वर्षों तक राजनीतिक संरक्षण में फलते फूलते गुंडों और रंगदारों को अब यह समझ आने लगा है कि कानून से ऊपर कोई नहीं है। भाजपा नेता शुभेन्दु अधिकारी के नेतृत्व में राज्य में जिस प्रकार का कठोर प्रशासनिक वातावरण बनता दिखाई दे रहा है, उसने अपराध जगत की नींद उड़ा दी है। जो अपराधी कभी खुलेआम दहशत फैलाते थे, वह अब या तो अंडरग्राउंड होने को मजबूर हैं या फिर पुलिस उन्हें सड़कों पर घुमाकर जनता को यह संदेश दे रही है कि अपराध का अंत केवल अपमान और जेल है। हावड़ा में कुख्यात अपराधी आकाश सिंह के साथ हुई

पुलिस कार्रवाई ने पूरे राज्य में हलचल मचा दी है। पुलिस उसे भारी सुरक्षा व्यवस्था के बीच पुराने मामलों की जांच के सिलसिले में अलग अलग अपराध स्थलों पर ले गयी।

इस दौरान उसे केवल कच्छे और बनियान में ही ले जाया गया। यह दृश्य अब पश्चिम बंगाल की बदलती तस्वीर का प्रतीक बन गया है। जनता ने पहली बार देखा कि जो अपराधी कभी इलाके में आतंक का दूसरा नाम था, वह अब पुलिस के सामने बेबस खड़ा है। हम आपको बता दें कि आकाश सिंह पर हावड़ा में रंगदारी गिरोह चलाने, लोगों को धमकाने और यहां तक कि पुलिस अधिकारी पर गोली चलाने जैसे गंभीर आरोप हैं। पुलिस अब उसके पुराने मामलों की फाइलें खोल रही है और यह पता लगाने में जुटी है कि उसके गिरोह में कौन कौन लोग शामिल थे। अपराध की जड़ तक पहुंचने के लिए पुलिस अपराध स्थलों पर जाकर घटनाओं की कड़ियां जोड़ रही है। यह केवल एक अपराधी की जांच नहीं, बल्कि पूरे अपराध तंत्र को ध्वस्त करने का अभियान है।

महाबलेश्वर के पास अम्बेनाली घाट में 700 फीट गहरी खाई में गिरी स्कॉर्पियो, सतारा के 8 युवकों की मौत

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

रायगढ़। महाराष्ट्र के रायगढ़ और सतारा जिलों की सीमा पर स्थित खतरनाक अम्बेनाली घाट में एक दर्दनाक सड़क हादसा सामने आया है। महाबलेश्वर और पोलादपुर के बीच एक स्कॉर्पियो एसयूवी (SUV) अनियंत्रित होकर करीब 500 से 700 फीट गहरी खाई में गिर गई। इस दिल दहला देने वाली दुर्घटना में गाड़ी में सवार सभी 8 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई।

शुरूआती जानकारी के अनुसार, यह हादसा उस समय हुआ जब ये सभी लोग दापोली (कोंकण) से घूमकर वापस सतारा लौट रहे थे। दुर्घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय प्रशासन, पुलिस, महाबलेश्वर के ट्रैकर्स और रेस्क्यू टीमें मौके पर पहुंच गईं। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि खाई की गहराई बहुत ज्यादा (500 से 700 फीट) होने और रात के घने अंधेरे के कारण बचाव कार्य में काफी मुश्किलें आईं। रात के समय कड़ी मशक्कत के बाद दो शवों को बाहर निकाला जा सका था।

एआईएडीएमके के तीन बागी विधायकों ने दिया इस्तीफा, टीवीके में शामिल होने की तैयारी; आधव अर्जुन से की मुलाकात

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

तमिलनाडु। तमिलनाडु में एआईएडीएमके के तीन बागी विधायकों ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। ये तीनों विधायक सी वी शनमुगम और एस पी वेलुमणि के नेतृत्व वाले बागी गुट का हिस्सा थे। सोमवार को इन्होंने तमिलनाडु विधानसभा अध्यक्ष जेसीडी प्रभाकर से मुलाकात की और उन्हें अपना इस्तीफा सौंप दिया। इस्तीफा देने वाले विधायकों में मदुरंतकम से मरगाथम कुमारवेल, धारापुरम से सत्यभामा और पेरुंदुरई से जयकुमार शामिल हैं। इन तीनों ने एआईएडीएमके के टिकट पर विधानसभा चुनाव जीता था। सचिवालय में अध्यक्ष को इस्तीफा सौंपने के तुरंत बाद ये तीनों विधायक टीवीके मंत्री आधव अजुर्ना से मिलने उनके दफ्तर पहुंचे। इस बीच विधानसभा अध्यक्ष प्रभाकर ने तीनों विधायकों का इस्तीफा मंजूर कर लिया है। ऐसी संभावना है कि ये तीनों विधायक मुख्यमंत्री सी जोसेफ विजय की पार्टी 'तमिलगा वेत्री कड़गम' (TVK) में शामिल हो सकते हैं। ये विधायक उन 25 सदस्यों में शामिल थे, जिन्होंने अपनी पार्टी के आदेश का पालन नहीं किया था। इन्होंने विधानसभा में फ्लोर टेस्ट के दौरान टीवीके सरकार के समर्थन में अपना वोट दिया था। अब इनके इस्तीफे के बाद राज्य की राजनीति में चर्चाएं तेज हो गई हैं। इन इस्तीफों के मंजूर होने के साथ ही राज्य की चार विधानसभा सीटों पर उपचुनाव होंगे। इनमें मदुरंतकम, धारापुरम और पेरुंदुरई के साथ त्रिची ईस्ट सीट भी शामिल है। त्रिची ईस्ट सीट मुख्यमंत्री विजय ने खाली की थी, क्योंकि उन्होंने दो सीटों पर जीत हासिल की थी। इन इस्तीफों के कारण एआईएडीएमके के विधायकों की संख्या 47 से घटकर अब 44 हो गई है। एआईएडीएमके के भीतर यह विवाद विधानसभा चुनाव के बाद से ही चल रहा है। मुख्यमंत्री विजय के फ्लोर टेस्ट के दौरान पार्टी की आपसी फूट खुलकर सामने आ गई थी।

₹70 की 'स्पेशल प्लेट' में बीमारी का तड़का, आरडीसी में छोले-कुलचे के अंदर निकला मरा हुआ कॉकरोच

गाजियाबाद के सबसे पॉश कमर्शियल हब में जनता की सेहत से खिलवाड़, शिकायत करने पर ठेला संचालक हुआ रफूचक्कर

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। अगर आप गाजियाबाद के सबसे व्यस्त और पॉश व्यावसायिक क्षेत्र आरडीसी (राजनगर डिस्ट्रिक्ट सेंटर) में बड़े चाव से स्पेशल छोले-कुलचे का लुत्फ उठाते हैं, तो ठहर जाइए! यह शौक आपके और आपके परिवार के लिए जानलेवा साबित हो सकता है। आरडीसी में दिल्ली के नाम पर चल रही एक मशहूर छोले-कुलचे की दुकान पर ₹70 प्रति प्लेट के हिसाब से परोसी जा रही थाली में एक मरा हुआ कॉकरोच मिलने से हड़कंप मच गया। चौंकाने वाली बात यह है कि जब सजग ग्राहक ने इस घोर लापरवाही का विरोध किया और ठेला संचालक को थाली दिखाई, तो वह

> खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन का नकारापन उजागर, आंखें मूंदकर बैठे जिम्मेदार अधिकारी, मानकों को ताक पर रखकर चल रहे हैं सैकड़ों ठेले

माफी मांगने या अपनी गलती सुधारने के बजाय मौके से रफूचक्कर हो गया। यह घटना सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही तस्वीरों के बाद शहर में चर्चा का विषय बनी हुई है। आरडीसी में खाने-पीने के शौकीनों की सुबह से लेकर देर रात तक भारी भीड़ उमड़ती है। ब्रांड और स्वाद के नाम पर लोग बिना कुछ सोचे-समझे मोटी रकम चुकाते हैं। लेकिन इस चाव के पीछे की कड़वी सच्चाई यह है कि यहां सफाई व्यवस्था पूरी तरह शून्य है। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, जिस ठेले पर यह कॉकरोच मिला, वहां रोजाना सैकड़ों लोग खाना खाते हैं। ग्राहक द्वारा गंदगी पकड़े जाने पर दुकानदार का भाग जाना साफ दर्शाता है कि इन रेहड़ी-पटरी संचालकों के भीतर न तो कानून का कोई खौफ है और न ही जनता की जान की कोई कीमत।

फूड सेफ्टी विभाग का नकारापन: क्या किसी बड़ी त्रासदी का इंतजार है?

इस पूरे प्रकरण में सबसे शर्मनाक और गैर–जिम्मेदाराना रवैया गाजियाबाद के खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन (FSDA) का रहा है। विभाग के अधिकारी वातानुकूलित कमरों से बाहर निकलने को तैयार नहीं हैं। आरडीसी जैसे वीआईपी इलाके में, जहां जिले के आला अधिकारी और संभ्रांत लोग उठते–बैठते हैं, वहां सैकड़ों की संख्या में ऐसे फूड स्टॉल और ठेले धड़ल्ले से चल रहे हैं जिनके पास न तो कोई वैध फूड लाइसेंस है और न ही वे स्वच्छता के बुनियादी मानकों का पालन करते हैं। जनता सवाल पूछ रही है कि आखिर यह नकारा विभाग किसकी शह पर अपनी आंखें बंद करके बैठा है? क्या अधिकारियों के लिए जनता की सेहत से ज्यादा चंद रुपयों का लालच बड़ा हो चुका है?

'कमीशन' के खेल में जनता बन रही 'बलि का बकरा'

आरडीसी के स्थानीय दुकानदारों और सूत्रों का कहना है कि यह पूरा खेल मिलीभगत का है। इसी मासिक सुविधा शुल्क के एवज में इन दुकानदारों को गंदगी परोसने का खुला लाइसेंस मिल जाता है। जब तक विभाग की इस अंदरूनी साठगांठ को नहीं तोड़ा जाएगा, तब तक गाजियाबाद की जनता ऐसे ही जहरीले और संक्रामक भोजन को खाने के लिए अभिशप्त रहेगी।

खुले आसमान के नीचे महामारी को आमंत्रण

आरडीसी की सड़कों पर घूमकर देखने से साफ पता चलता है कि यहां केवल एक दुकान का यह हाल नहीं है। खुले आसमान के नीचे, उड़ती धूल, गाड़ियों के धुएं और नालियों के पास ही छोले उबाले जा रहे हैं और कुलचे सेके जा रहे हैं। न पीने के पानी की शुद्धता की कोई गारंटी है और न ही बर्तन धोने के लिए साफ पानी का इस्तेमाल किया जाता है। री–यूज्ड (बार–बार इस्तेमाल होने वाले) तेल और घटिया क्वालिटी के मसालों का प्रयोग कर लोगों को पेट की गंभीर बीमारियां, टाइफाइड और फूड पॉइजनिंग परोसी जा रही है।

अब तो जागो प्रशासन, कब चलेगा हंटर?

मरे हुए कॉकरोच वाली इस वायरल तस्वीर ने गाजियाबाद जिला प्रशासन और स्वास्थ्य महकमे के दावों की पोल खोलकर रख दी है। अब समय आ गया है कि गाजियाबाद के वरिष्ठ अधिकारी इस मामले का खुद संज्ञान लें। जनता की मांग है कि फूड सेफ्टी विभाग के निकम्मे और लापरवाह अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाए और आरडीसी सहित पूरे शहर में चल रहे ऐसे अवैध व गंदगी से सराबोर ठेलों के खिलाफ एक बड़ा अभियान चलाकर सख्त से सख्त दंडात्मक कार्रवाई की जाए। यदि अब भी प्रशासन नहीं जागा, तो वो दिन दूर नहीं जब यह लापरवाही किसी बड़े स्वास्थ्य आपातकाल का कारण बनेगी।

संपादक की कलम से

स्वयं के प्रति क्रूरता तथा कठोरता श्रेष्ठ होने के प्रमुख अवयव

ललित शर्मा
संपादक

मनुष्य के जीवन की सबसे बड़ी विजय बाहर नहीं, भीतर होती है। अक्सर हम दुनिया को बदलने, समाज को सुधारने और दूसरों को सही ठहराने में लगे रहते हैं, परंतु एक सत्य हमेशा हमारे सामने खड़ा रहता है यदि हमने स्वयं को नहीं जीता, तो हमने कुछ भी नहीं जीता। पहले स्वयं को जीतिए, फिर जग को जीतिए,यह केवल एक वाक्य नहीं, बल्कि जीवन का मूल मंत्र है। क्योंकि मनुष्य का मन ही उसके किए गए कार्यों का सर्वोच्च निर्णायक होता है। यदि मन के भीतर ईमानदारी नहीं है, तो बाहरी सफलता भी खोखली प्रतीत होती है। मनुष्य को स्वयं के प्रति अत्यंत कठोर तथा क्रूर होना होगा तभी सफलता उसके सामने होगी। महात्मा गांधी ने कहा था, 'आप स्वयं वह परिवर्तन बनिए जो आप दुनिया में देखना चाहते हैं।' यह कथन हमें स्पष्ट संकेत देता है कि किसी भी परिवर्तन की शुरूआत बाहर से नहीं, भीतर से होती है। जब तक हम अपने विचारों, अपने कर्मों और अपने चरित्र को नहीं सुधारते, तब तक समाज को सुधारने की बात केवल एक आदर्श कल्पना बनकर रह जाती है। गांधी जी ने अपने जीवन में सत्य और अहिंसा का पालन पहले स्वयं किया, तभी वे करोड़ों लोगों के प्रेरणा स्रोत बने। इसी प्रकार स्वामी विवेकानंद का यह विचार भी अत्यंत प्रेरणादायक है 'उठो, जागो और तब तक नहीं रुको जब तक लक्ष्य प्राप्त न हो जाए।' लेकिन इस लक्ष्य की प्राप्ति की पहली शर्त क्या है? स्वयं के भीतर की कमजोरी, आलस्य और भ्रम पर विजय प्राप्त करना। विवेकानंद जी ने युवाओं को यह सिखाया कि आत्मबल ही सबसे बड़ी शक्ति है। जब मनुष्य अपने मन को नियंत्रित कर लेता है, तब उसके लिए कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं रहता। मनुष्य का सबसे बड़ा शत्रु बाहर नहीं, उसका अपना भ्रम, उसकी अपनी असत्यता होती है। जब हम स्वयं से झूठ बोलते हैं अपने दोषों को छिपाते हैं, अपनी कमियों को नजरअंदाज करते हैं तब हम अपने विकास के मार्ग को स्वयं ही अवरुद्ध कर देते हैं। भगवान बुद्ध ने कहा था, 'आप खुद ही अपने दीपक बनिए।' इसका अर्थ यही है कि आत्मचिंतन और आत्मसत्य ही वह प्रकाश है, जो हमें सही दिशा दिखाता है। यदि हम अपने भीतर के अंधकार को स्वीकार नहीं करेंगे, तो प्रकाश की खोज भी अधूरी रह जाएगी। समाज में श्रेष्ठ और महान लोग वही बने हैं, जिन्होंने पहले स्वयं को जीता। डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम का जीवन इसका सजीव उदाहरण है। एक साधारण परिवार से उठकर देश के सर्वोच्च पद तक पहुँचना केवल बाहरी परिस्थितियों का परिणाम नहीं था, बल्कि उनकी आंतरिक अनुशासन, ईमानदारी और आत्मविश्वास का फल था। उन्होंने कहा था, 'सपने वो नहीं जो हम सोते समय देखते हैं, सपने वो हैं जो हमें सोने नहीं देते।' यह सपना तभी साकार होता है, जब हम अपने भीतर की कमियों को पहचानकर उन्हें दूर करने का साहस रखते हैं। इसी तरह नेल्सन मंडेला ने अपने जीवन में 27 वर्ष जेल में बिताए, परंतु उन्होंने अपने भीतर की नफरत को जीत लिया। उन्होंने कहा था, 'मैं कभी हारता नहीं, या तो जीतता हूँ या सीखता हूँ।' यह दृष्टिकोण केवल वही व्यक्ति अपना सकता है, जिसने स्वयं को साध लिया हो। मंडेला की यह आंतरिक विजय ही उन्हें एक महान नेता बनाती है। जब हम समाज में देखते हैं, तो पाते हैं कि जो लोग ईमानदारी, सच्चाई और आत्मसंयम के मार्ग पर चलते हैं, वही सच्चे अर्थों में सफल होते हैं। सफलता केवल धन, पद या प्रसिद्धि नहीं है; सफलता वह शांति है, जो हमें अपने भीतर मिलती है।

कर्ज का दलदल

उदय किशोर साह

कविता

कर्ज में जो डूबा जग में है परेशान
गहरी दलदल है कर्ज की जहान
व्याज में लुट जाता है इन्सान
बिक जाता है उनका खेत खलिहान

महाजन की तेवर से पड़ता है . पाला
सूद का सूद का पहनता वो। माला
चक्रवृद्धि व्याज की लग जाता ताला
गुमनाम हो जाता है गरीब भोला भाला

डॉट डपट की मिलता रहता वरदान
महाजाल से निकलना ना है आसान
लुप्त हो जाता है कर्जदार का सम्मान
कर्ज से बचा लो सब को हे भगवान

कर्ज से मत कर कोई जान पहचान
इनके नीयत में है भरा पड़ा बेईमान
व्याज है सूदखोर की असली शान
फलते फूलते है नित्य बनते धनवान

कर्ज की रकम जब ना चुका पाता इन्सां
जग में कहलाता है बेचारा एक बेईमान
चैन शुकुन छिन जाता है इज्जत के नाम
कर्ज से बच के रहना ओ रे जजमान

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक ललित कुमार द्वारा वेलकम इंडिया प्रिन्टर्स, 1/26, साउथ साइड, जी टी रोड़, गाजियाबाद-201001 से मुद्रित कराकर ग्राउन्ड फ्लोर, दुर्गा टॉवर, आर.डी.सी राजनगर, गाजियाबाद 201002 से प्रकाशित किया। संपादक : ललित शर्मा
सम्पर्क सूत्र: 9891116568

किसी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा गाजियाबाद न्यायालय में ही होगा।

विकास का छलावा: सत्ता के भूखे हाथों में लुटती अर्थव्यवस्था का काला सच

एन0के0शर्मा
लेखक

सच को अगर शालीन शब्दों में ढका जाए तो वह केवल एक 'मत' बनकर रह जाता है, लेकिन जब उसे उसकी पूरी नग्नता में देखा जाता है, तब वह विस्फोट करता है—और यह विस्फोट असहज करता है, चुभता है, झकझोरता है।

देश की अर्थव्यवस्था को दीमक की तरह चाटने वाले राजनेताओं की कहानी भी ऐसी ही एक असहज सच्चाई है, जिसे अक्सर राष्ट्रवाद, विकास और जनहित के चमकीले शब्दों में लपेटकर परोसा जाता है। यह कोई सामान्य भ्रष्टाचार नहीं है, यह एक 'सिस्टमेटिक एक्सट्रैक्शन मशीन' है—एक ऐसी व्यवस्था जहाँ नीतियाँ जनता के लिए नहीं, बल्कि सत्ता के लिए बनाई जाती हैं।

जहाँ टैक्स जनता देती है, लेकिन लाभ सत्ता के गलियारों में घूमता रहता है। जहाँ योजनाएँ गरीबों के नाम पर बनती हैं, लेकिन उनका असली उपभोग ठेकेदारों, दलालों और नेताओं के गठजोड़ द्वारा किया जाता है। यह गठजोड़ किसी एक पार्टी, एक विचारधारा या एक देश तक सीमित नहीं है; यह एक वैश्विक बीमारी है—जहाँ सत्ता और पूंजी का गठबंधन लोकतंत्र को धीरे-धीरे एक मुखौटा बना देता है।

कटु सत्य यह है कि कई राजनेता विकास नहीं, 'विकास का भ्रम' बेचते हैं। वे आंकड़ों का ऐसा जाल बुनते हैं जिसमें GDP की वृद्धि, निवेश के वादे और योजनाओं की घोषणाएँ चमकती हैं, लेकिन आम आदमी की थाली, उसकी जेब और उसके भविष्य में कोई ठोस परिवर्तन नहीं होता।

यह वैसा ही है जैसे किसी भूखे को भोजन की तस्वीर दिखाकर यह दावा करना कि उसकी भूख मिटा दी गई है। और इस धोखे की जड़ में केवल लालच नहीं, बल्कि सत्ता की भूख है—एक ऐसी भूख जो कभी संतुष्ट नहीं होती।

यह भूख नियमों को मोड़ती है, संस्थाओं को कमजोर करती है, और हर उस आवाज को कुचलती है जो सवाल पूछने की हिम्मत करती है। जो अर्थव्यवस्था जनता के श्रम से बनती है, वही अर्थव्यवस्था धीरे-धीरे कुछ हाथों में सिमट जाती है—और यह सिमटना ही असली लूट है।

जब किसी देश का बजट जनता के कल्याण से अधिक चुनावी रणनीति का उपकरण बन जाए, जब नीतियाँ दीर्घकालिक स्थिरता के बजाय तात्कालिक राजनीतिक लाभ के लिए बनाई जाएँ, तब समझ लेना चाहिए कि अर्थव्यवस्था एक 'राजनीतिक हथियार' बन चुकी है।

महंगाई केवल आर्थिक समस्या नहीं रह जाती, वह एक अदृश्य कर (invisible tax) बन जाती है जिसे हर नागरिक रोज चुकाता है—बिना किसी घोषणा, बिना किसी जवाबदेही के। सबसे भयावह बात यह है कि इस पूरी प्रक्रिया में नैतिकता का पतन इतना सामान्य हो चुका है कि अब घोटाले खबर नहीं बनते, वे केवल एक और 'घटना' बनकर रह जाते हैं।

जनता की संवेदनशीलता कुंद हो चुकी है। जब हजारों करोड़ के घोटाले पर कुछ दिनों की बहस के बाद सब कुछ सामान्य हो जाता है, तब यह स्पष्ट हो जाता है कि दीमक केवल व्यवस्था को नहीं, बल्कि समाज की चेतना को भी खा चुकी है।

यह केवल आर्थिक अपराध नहीं है—यह पीढ़ियों के भविष्य के साथ विश्वासघात है। जब शिक्षा में निवेश घटता है, जब स्वास्थ्य व्यवस्था कमजोर होती है, जब रोजगार के अवसर सिमटते हैं, तब इसका असर केवल वर्तमान तक सीमित नहीं रहता; यह आने वाली पीढ़ियों की संभावनाओं को भी निगल जाता है।

एक कमजोर अर्थव्यवस्था केवल आंकड़ों में नहीं दिखती, वह बच्चों के अधूरे सपनों, युवाओं की हताशा और बुजुर्गों की असुरक्षा में दिखाई देती है। और फिर भी, सबसे कड़वी सच्चाई यह है कि यह सब केवल 'उनकी' वजह से नहीं हो रहा—यह 'हमारी' चुप्पी से भी संभव हो रहा है।

जब वोट विचारधारा से अधिक पहचान पर दिए जाते हैं, जब सवाल पूछने के बजाय अंध समर्थन किया जाता है, जब आलोचना को देशद्रोह समझ लिया जाता है—तब लोकतंत्र धीरे-धीरे अपने ही मूल्यों को खो देता है।

यह समय केवल गुस्से का नहीं, बल्कि एक कठोर आत्मनिरीक्षण का है। क्योंकि जब तक नागरिक अपने अधिकारों के साथ अपनी जिम्मेदारियों को नहीं समझेंगे, तब तक कोई भी व्यवस्था उन्हें शोषण से नहीं बचा सकती। सवाल यह नहीं कि राजनेता कैसे हैं—सवाल यह है कि क्या हम उन्हें जवाबदेह बनाने के लिए तैयार हैं या नहीं।

यह लेख कोई समाधान नहीं देता, यह एक आईना दिखाता है—एक ऐसा आईना जिसमें सत्ताधारी भी दिखाई देते हैं और समाज भी। और इस आईने में जो चेहरा दिखता है, वह शायद असहज कर सकता है, लेकिन उसे नजरअंदाज करना अब संभव नहीं। क्योंकि अगर यह दीमक इसी तरह बढ़ती रही, तो वह दिन दूर नहीं जब केवल अर्थव्यवस्था ही नहीं, बल्कि लोकतंत्र की पूरी संरचना खोखली हो जाएगी—और तब गिरने की आवाज इतनी तेज होगी कि उसे कोई भाषण, कोई वादा, कोई भ्रम दबा नहीं पाएगा।

बहु-चरणीय नीट-यूजी से छात्रों को मिलेगा बड़ा लाभ

डॉ विजय गर्ग
लेखक

देश में मेडिकल शिक्षा प्राप्त करने का सपना देखने वाले लाखों विद्यार्थियों के लिए नीट-यूजी सबसे महत्वपूर्ण प्रवेश परीक्षा बन चुकी है। हर वर्ष करोड़ों छात्र-छात्राएं डॉक्टर बनने की उम्मीद के साथ इस परीक्षा में भाग लेते हैं। लेकिन पिछले कुछ वर्षों में परीक्षा प्रबंधन, पेपर लीक, तकनीकी गड़बड़ियों और अत्यधिक मानसिक दबाव जैसी समस्याओं ने इस परीक्षा प्रणाली पर कई सवाल खड़े किए हैं। इसी कारण अब यह विचार तेजी से चर्चा में है कि नीट-यूजी को कई सत्रों और चरणों में आयोजित किया जाए।

वर्तमान में नीट-यूजी एक ही दिन और एक ही सत्र में आयोजित की जाती है। इतने बड़े स्तर पर परीक्षा आयोजित करना प्रशासन के लिए बहुत बड़ी चुनौती बन जाता है। यदि किसी परीक्षा केंद्र पर कोई तकनीकी समस्या, सुरक्षा चूक या अव्यवस्था हो जाए तो हजारों विद्यार्थियों का भविष्य प्रभावित हो सकता है। हाल के वर्षों में पेपर लीक और पुनः परीक्षा जैसी घटनाओं ने विद्यार्थियों और अभिभावकों की चिंता को और बढ़ा दिया है।

कई सत्रों में परीक्षा आयोजित करने का सबसे बड़ा लाभ विद्यार्थियों के मानसिक दबाव में कमी के रूप में देखा जा रहा है। अभी छात्रों के पास केवल एक अवसर होता है, जिसमें उनकी वर्षों की मेहनत का फैसला हो जाता है। यदि किसी कारणवश परीक्षा के दिन छात्र अस्वस्थ हो जाए, तनाव में रहे या यात्रा संबंधी कठिनाई का सामना करे, तो उसका प्रदर्शन प्रभावित हो सकता है। लेकिन यदि परीक्षा दो या अधिक चरणों में आयोजित हो और विद्यार्थियों को बेहतर स्कोर चुनने का अवसर मिले, तो वे अधिक आत्मविश्वास के साथ परीक्षा दे सकेंगे। इस व्यवस्था से ग्रामीण और दूरदराज क्षेत्रों के विद्यार्थियों को भी लाभ मिलेगा। कई छात्रों को परीक्षा केंद्र तक पहुंचने के लिए लंबी दूरी तय करनी पड़ती है। भीड़, परिवहन की समस्या और मौसम जैसी कठिनाइयां उनकी परेशानी बढ़ा देती हैं। कई चरणों में परीक्षा होने से परीक्षा केंद्रों का बेहतर वितरण संभव होगा और छात्रों को अपने नजदीकी शहरों में केंद्र मिल सकेंगे। सरकार और राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी भी परीक्षा प्रबंधन को अधिक प्रभावी बना सकती हैं। परीक्षा को चरणों में बांटने से सुरक्षा व्यवस्था मजबूत होगी और निगरानी आसान हो जाएगी। विशेषज्ञों का मानना है कि कंप्यूटर आधारित परीक्षा प्रणाली भविष्य में अधिक सुरक्षित और पारदर्शी साबित हो सकती है। इसी दिशा में सुधारों की चर्चा भी तेज हो रही है। हालांकि, कई सत्रों में नीट-यूजी आयोजित करना आसान नहीं होगा। सबसे बड़ी चुनौती सभी सत्रों के प्रश्नपत्रों के स्तर को समान बनाए रखना है। यदि किसी सत्र का प्रश्नपत्र आसान और दूसरे का कठिन हुआ तो विद्यार्थियों के बीच असमानता पैदा हो सकती है। इसलिए सामान्यीकरण की वैज्ञानिक और पारदर्शी प्रक्रिया आवश्यक होगी। इसके अतिरिक्त डिजिटल ढांचे को मजबूत बनाना भी जरूरी होगा, विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों में। शिक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि बदलते समय के साथ परीक्षा प्रणाली में सुधार आवश्यक है। परीक्षा का उद्देश्य केवल छात्रों का चयन करना नहीं, बल्कि उन्हें निष्पक्ष और समान अवसर प्रदान करना भी होना चाहिए। कई सत्रों वाली नीट-यूजी प्रणाली विद्यार्थियों को तनाव से राहत देने के साथ-साथ परीक्षा प्रक्रिया को अधिक भरोसेमंद बना सकती है।

अंततः, यदि नीट-यूजी को कई सत्रों और चरणों में सावधानीपूर्वक लागू किया जाता है, तो यह भारतीय शिक्षा व्यवस्था में एक बड़ा सुधार साबित हो सकता है। इससे परीक्षा प्रणाली अधिक सुरक्षित, पारदर्शी और छात्र-केंद्रित बनेगी। सबसे महत्वपूर्ण बात यह होगी कि विद्यार्थियों का भविष्य केवल एक दिन की परीक्षा पर निर्भर नहीं रहेगा, बल्कि उनकी वास्तविक योग्यता और निरंतर तैयारी को उचित महत्व मिलेगा।

भारतीय हर साल केवल ट्रैफिक में 3.50 लाख करोड़ के फ्यूल का धुआँ करते हैं!

स्नेहा सिंह
लेखिका

भारत में पेट्रोल और डीजल की कमी को लेकर हाहाकार चल रहा है। देश के अनेक जिलों में तो कमी दिखाई देने लगी है, जबकि कुछ जिलों में लोग पेट्रोल और डीजल स्टोर करने लगे हैं ऐसी बातें भी फैल रही हैं। इस दौरान कुछ रिपोर्ट सामने आई हैं जो भी चिंताजनक हैं। भारतीय केवल वाहन चलाने के दौरान ही नहीं बल्कि ट्रैफिक में भी बेहिसाब रुपए का पेट्रोल और डीजल उड़ा देते हैं। हाल ही में नीदरलैंड की एक प्रसिद्ध लोकेशन टेक्नोलॉजी और डिजिटल नेविगेशन कंपनी टॉमटॉम द्वारा भारतीयों द्वारा वाहनों के उपयोग और अन्य बातों पर एक अध्ययन किया गया था। इसके अलावा पीक आवर्स में और सामान्य स्थिति में जब सड़कें खाली हों तब आप 15 मिनट में अपने घर से कितनी दूर पहुंच सकते हैं, उसका भी अध्ययन किया गया था। इस कंपनी द्वारा जो डेटा दिया गया है उसे देखते हुए ऐसा लगता है कि, वास्तव में भारतीयों को अपनी वाहन चलाने की आदत, सरकार को अपनी योजनाओं और अन्य बातों पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। सरकार केवल लोगों को कार पूलिंग करने को कहे या फिर वर्क फ्रॉम होम अथवा सार्वजनिक परिवहन का उपयोग करने को कहे उससे जिम्मेदारी पूरी नहीं हो जाती। सरकार और जनता की संयुक्त भागीदारी से ही यह कार्य पूरा हो सकता है। कंपनी द्वारा दुनियाभर की गाड़ियों, स्मार्टफोन, जीपीएस डिवाइस और रियल टाइम ट्रैफिक डेटा को एकत्र करके अध्ययन किया जाता है। भारत में भी इन सभी विवरणों को लेकर अध्ययन किया गया, जिसके परिणाम चौंकाने वाले हैं। उसमें बताया गया है कि, भारत में हर वर्ष लोग ट्रैफिक जाम में फंसकर अनुमानित 3.50 लाख करोड़ रुपए का पेट्रोल-डीजल फूंक मारते हैं। हाल ही में आई रिपोर्ट बताती है कि, भारतीयों द्वारा अनुमानित हर वर्ष 3.45 लाख करोड़ रुपए के पेट्रोल और डीजल का व्यय केवल ट्रैफिक के कारण किया जाता है। उसमें भी भारत के चार बड़े महानगर जैसे कि दिल्ली, मुंबई, कोलकाता और बेंगलुरु द्वारा उसमें से बड़े पैमाने पर व्यय किया जाता है। इन चार महानगरों द्वारा वर्ष में 1.50 लाख करोड़ रुपए के पेट्रोल का धुआं केवल ट्रैफिक में किया जाता है। रिपोर्ट बताती हैं कि, भारतीयों द्वारा प्रतिदिन ट्रैफिक में 960 करोड़ रुपए के फ्यूल का व्यय किया जाता है। उसमें से लगभग चालीस प्रतिशत यानी कि अनुमानित 400 करोड़ रुपए का व्यय इन चार बड़े शहरों में होता है। अध्ययन में बताया गया है कि, भारतीयों द्वारा हर वर्ष ट्रैफिक जाम जैसी समस्याओं के कारण 34.6 अरब लीटर फ्यूल बर्बाद किया जाता है। ट्रैफिक इंडेक्स बताता है कि, बेंगलुरु और दिल्ली जैसे बड़े शहरों में ऑफिस जाने और आने के दौरान लोग ट्रैफिक में फँसते हैं और उसके कारण हर महीने वे 20 से 25 लीटर फ्यूल अधिक उपयोग करते हैं। उनकी जेब पर उतना अतिरिक्त खर्च पड़ता है। वे धीरे-धीरे चलने के दौरान अथवा सिग्नल पर खड़े रहने के दौरान यह पेट्रोल बर्बाद कर देते हैं। बेंगलुरु में ट्रैफिक जाम की समस्या सबसे खराब है। वहां के लोग उसके कारण अत्यंत परेशान भी हैं। वे पेट्रोल और डीजल की सबसे अधिक बबार्दी कर देते हैं। वहां 10 किलोमीटर की यात्रा में 45 रुपए का पेट्रोल तो केवल ट्रैफिक के कारण खर्च हो जाता है। उसके चलते ऐसा होता है कि बेंगलुरु में सामान्य लोग हर वर्ष अनुमानित 19,000 करोड़ रुपए का पेट्रोल-डीजल फूंक मारते हैं। इसी प्रकार पुणे में भी ऐसी ही समस्या है। यहां लोग हर 10 किलोमीटर में 40 रुपए का फ्यूल बर्बाद करते हैं। यहां हर वर्ष ट्रैफिक जाम के कारण लोगों की जेब पर बड़ा बोझ पड़ता है। यहां वे हर वर्ष अनुमानित 17,000 करोड़ रुपए के पेट्रोल और डीजल को धुआं करते हैं। यहां चक्का जाम होने की समस्या भी अधिक होने से यह स्थिति और गंभीर हो जाती है। देश के दूसरे बड़े शहरों की बात करें तो कोलकाता का भी उसमें समावेश होता है। यहां रास्तों में ट्रैफिक जाम होने के कारण वाहन धीरे-धीरे आगे बढ़ते हैं। दूसरी ओर कुछ रास्तों में ट्रैफिक फंसा रहता है। उसके चलते वे 10 किलोमीटर की यात्रा में 35 से 38 रुपए के फ्यूल की बबार्दी करते हैं। यहां के लोग ट्रैफिक जाम में फंसने के कारण हर वर्ष अनुमानित 15,500 करोड़ रुपए के फ्यूल की बबार्दी करते हैं। यहां ट्रैफिक सिग्नल अधिक होने से अनेक रास्तों में पीक आवर्स में लंबा ट्रैफिक जाम होता है। इसी प्रकार मुंबई में भी स्थिति ऐसी ही खराब है। मुंबई में लोकल ट्रेनों का नेटवर्क है, सड़कें नई और बड़ी हैं फिर भी लोगों की हालत खराब है। जानकार मानते हैं कि, मुंबई में पीक आवर्स के दौरान घंटों का ट्रैफिक जाम होता है। उसके कारण यहां के लोग हर 10 किलोमीटर की यात्रा के दौरान 32 से 35 रुपए का पेट्रोल-डीजल बर्बाद कर देते हैं। यहां हर वर्ष सामान्य आदमी की जेब पर फ्यूल का बोझ अधिक पड़ता है। मेट्रो, लोकल और बसें होने के बावजूद लोग वाहन लेकर जो जाते हैं वे वर्ष में अनुमानित 14,500 करोड़ रुपए के फ्यूल की बबार्दी कर डालते हैं। इसके अलावा देश की राजधानी दिल्ली में भी ऐसी ही समस्या है। यहां सड़कें चौड़ी हैं, अच्छी हैं फिर भी ट्रैफिक जाम की समस्या बारबार होती है। पीक आवर्स में निकलना बहुत मुश्किल होता है। यहां लोग 10 किलोमीटर जाने में 30 रुपए के फ्यूल का तो व्यय कर ही देते हैं। ट्रैफिक जाम और स्लो ट्रैफिक के कारण यहां लोगों की स्थिति खराब है। वे हर वर्ष इस स्थिति के कारण अनुमानित 12,000 करोड़ रुपए के फ्यूल की बबार्दी कर देते हैं। इसके अलावा एक अन्य रिपोर्ट बताती है कि भारत में ट्रैफिक जाम की समस्या और रोड-रास्तों के डाइवर्जन की समस्या बहुत विकट है। पूरे एशिया की बात की जाए तब भी भारत के शहर खराब ट्रैफिक के लिए बदनाम हैं। एशिया के सबसे अधिक ट्रैफिक जाम वाले शीर्ष 10 शहरों की सूची में छह शहर भारत के हैं। उसमें भी बेंगलुरु की स्थिति तो अत्यंत खराब है। ट्रैफिक जाम के मुद्दे पर वह एशिया में शीर्ष स्थान पर आता है जबकि दुनिया में भी दूसरे क्रम पर आता है। इसी प्रकार पुणे एशिया में दूसरे क्रम पर और दुनिया में पांचवें क्रम पर आता है। इन दोनों शहरों की स्थिति अत्यंत खराब है। दूसरी ओर मुंबई एशिया में छठे स्थान पर है तो नई दिल्ली ट्रैफिक के मुद्दे पर एशिया में 7वें क्रम पर आती है। कोलकाता एशिया में 9वें और जयपुर 10वें क्रम पर आने वाले शहर हैं। खास बात यह है कि, पेट्रोलियम मंत्रालय द्वारा हाल ही में दी गई रिपोर्ट में भी बताया गया है कि, देश अपनी आवश्यकता के क्रूड में से 88 प्रतिशत क्रूड आयात करता है। उसके कारण अनुमानित 11 लाख करोड़ रुपए का खर्च होता है। भारत द्वारा हर महीने अनुमानित 92,000 करोड़ रुपये का खर्च केवल क्रूड लाने के पीछे किया जाता है। फिलहाल तो महीने के खर्च का आंकड़ा बढ़कर सीधे ही 1.5 लाख करोड़ रुपए पहुंच गया है। उसका अर्थ यह है कि, वर्तमान में भारत जितना खर्च करके महीने में क्रूड आयात करता है उतनी ही कीमत का फ्यूल चार बड़े शहरों में ट्रैफिक जाम में बर्बाद कर दिया जाता है। सरकार को करना नहीं है और जनता को भी परवाह नहीं है, इसलिए बबार्दी होती रहती है जानकारों के मतानुसार देश में फ्यूल की जो बबार्दी होती है उसमें अधिकांशतः सरकार जिम्मेदार है। उसके अलावा जनता का भी थोड़ा-बहुत दोष माना जा सकता है। सबसे पहले देखें तो देश के किसी भी शहर में ट्रैफिक का उचित आयोजन ही नहीं किया जाता। सड़क-रास्तों पर उचित व्यवस्था नहीं है। चारों तरफ कभी भी खुदाई कर दी जाती है, डाइवर्जन दे दिए जाते हैं, गड्ढे पड़ जाते हैं और ट्रैफिक जाम होता रहता है। इसी प्रकार कहीं भी और किसी भी तरह सिग्नल लगा दिए गए हैं। इसलिए लोगों को पांच-सात किलोमीटर की यात्रा करने में आधा घंटा लग जाता है, छह-सात सिग्नलों पर खड़ा रहना पड़ता है। सड़कें बनाने में, ब्रिज बनाने में व्यापक घोटाले होते हैं। जिस रास्ते पर ट्रैफिक होता है, उससे गलत दिशा में ओवरब्रिज बना दिए जाते हैं, घटिया ब्रिज बना दिए जाते हैं, अंतहीन ब्रिज बना दिए जाते हैं और जनता को परेशानी झेलनी पड़ती है। लोगों द्वारा भी ट्रैफिक के नियमों का पालन नहीं किया जाता। बाईं तरफ खाली सड़क होने पर भी वाहन खड़े करके सिग्नल लाल होने के समय रास्ता रोक दिया जाता है। सिग्नल पर खड़े रहने के दौरान वाहन बंद नहीं किए जाते। रोडसाइड नाश्ता-पानी करने के दौरान भी गाड़ी में बैठे रहते हैं और एसी के लिए गाड़ी चालू रखते हैं। इन सभी कारणों से अरबों लीटर पेट्रोल-डीजल का व्यय होता है।

सरस्वती इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, हापुड़ के द्वारा 'ऑराकॉन 2026' राष्ट्रीय अकादमिक सम्मेलन का भव्य आयोजन

एम्स दिल्ली सहित देश के प्रतिष्ठित संस्थानों के विशेषज्ञों ने वैज्ञानिक व्याख्यान, कैडेवरिक वर्कशॉप, अल्ट्रासाउंड गाइडेड रीजनल एनेस्थीसिया प्रशिक्षण एवं 2D ईको डेमोंस्ट्रेशन में किया सहभाग

हरेंद्र शर्मा

हापुड़(वेलकम इंडिया)। हापुड़ जनपद के अनवरपुर गांव स्थित एनेस्थीसियोलॉजी एवं क्रिटिकल केयर विभाग, सरस्वती इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज के द्वारा 'ऑराकॉन 2026-एनाटॉमी एंड अल्ट्रासोनोग्राफी फॉर रीजनल एनेस्थीसिया कैडेवरिक वर्कशॉप' का सफल आयोजन किया गया। यह राष्ट्रीय स्तर का प्रतिष्ठित अकादमिक सम्मेलन एनेस्थीसियोलॉजी एवं क्रिटिकल केयर के क्षेत्र में वैज्ञानिक शिक्षा, नवाचार, उन्नत चिकित्सीय प्रशिक्षण एवं व्यावहारिक कौशल विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित किया गया।सम्मेलन में देशभर के विभिन्न प्रतिष्ठित चिकित्सा संस्थानों से 200 से अधिक प्रतिनिधियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया, जिनमें स्नातकोत्तर छात्र, फैकल्टी सदस्य, वरिष्ठ चिकित्सक, शोधकर्ता एवं मेडिकल प्रोफेशनल्स शामिल रहे। यह आयोजन युवा एवं अनुभवी एनेस्थीसियोलॉजिस्ट्स के मध्य वैज्ञानिक विचार-विमर्श, शैक्षणिक सहयोग एवं उन्नत चिकित्सीय अनुभवों के आदान-प्रदान का महत्वपूर्ण मंच बनकर उभरा।ऑराकॉन 2026 का आयोजन डॉ. जे. रामचंद्रन फाउंडर एवं चेयरमैन, सरस्वती ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस एवं राम्या रामचंद्रन – वाइस चेयरपर्सन, सरस्वती ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के कुशल मार्गदर्शन एवं संरक्षण में सम्पन्न हुआ। संस्थान के प्रबंधन एवं प्रशासन द्वारा भी कार्यक्रम को पूर्ण सहयोग एवं प्रोत्साहन प्रदान किया गया।

सम्मेलन को डॉ. बरखा गुप्ता, डॉ. मेजर जनरल सी.एस. अहलूवालिया एवं डॉ. रवि कांत सहगल का संरक्षण प्राप्त हुआ। कार्यक्रम के सफल संचालन एवं समन्वय में एन. वर्धराजन एवं रघुवर दत्त का विशेष योगदान रहा, जिनके प्रशासनिक मार्गदर्शन एवं समन्वय ने सम्मेलन को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

सम्मेलन का संचालन डॉ. विवेक वैभव एवं डॉ. शैलजा शर्मा के नेतृत्व में किया गया, जिन्होंने आयोजन अध्यक्ष की भूमिका निभाई। वहीं, आयोजन सचिव डॉ. निखिल वैद एवं डॉ. मनीष माधरे ने वैज्ञानिक कार्यक्रमों एवं अकादमिक गतिविधियों का सफल समन्वय किया। वैज्ञानिक सत्रों में एम्स दिल्ली, जीआईएमएस ग्रेटर नोएडा, पारस हॉस्पिटल चंडीगढ़ सहित देश के कई प्रतिष्ठित संस्थानों के विशेषज्ञ चिकित्सकों ने भाग लिया। प्रमुख वक्ताओं में डॉ. अरशद, डॉ.राम सिंह, डॉ. मृतुंजय, डॉ.अमित कुमार, डॉ. समीक्षा खानुजा, डॉ. दीपक पुरी एवं डॉ. हिमांशु बिष्ट शामिल रहे।सम्मेलन के दौरान रीजनल एनेस्थीसिया ,पेरिऑपरेटिव केयर, क्रिटिकल केयर मेडिसिन, अल्ट्रासाउंड गाइडेड प्रक्रियाओं एवं आपातकालीन चिकित्सा मूल्यांकन से संबंधित नवीनतम विषयों पर वैज्ञानिक व्याख्यान, केस-आधारित चचाएँ, इंटरएक्टिव सेशंस, पेपर प्रेजेंटेशन एवं पोस्टर प्रेजेंटेशन आयोजित किए गए। ऑराकॉन 2026 का एक अत्यंत महत्वपूर्ण एवं आकर्षक शैक्षणिक पहलू युवा शोधकताओं, स्नातकोत्तर विद्यार्थियों एवं विभिन्न मेडिकल संस्थानों से आए प्रतिभागियों द्वारा प्रस्तुत किए गए वैज्ञानिक शोध कार्य रहे। सम्मेलन के दौरान लगभग 75 वैज्ञानिक पेपर एवं पोस्टर प्रेजेंटेशन प्रस्तुत किए गए, जिन्होंने पूरे अकादमिक आयोजन को और अधिक ज्ञानवर्धक एवं शोध-उन्मुख बना दिया। इन प्रस्तुतियों में रीजनल एनेस्थीसिया, क्रिटिकल केयर मेडिसिन, पेरिऑपरेटिव मैनेजमेंट, अल्ट्रासाउंड गाइडेड तकनीकों, दर्द प्रबंधन, आपातकालीन चिकित्सा सेवाओं, एयरवे मैनेजमेंट, पीओकस (POCUS), 2D ईकोकार्डियोग्राफी, कठिन एनेस्थीसिया परिस्थितियों, दुर्लभ क्लिनिकल केस स्टडीज, आधुनिक एनेस्थीसिया तकनीकों एवं शोध आधारित उपचार पद्धतियों जैसे अनेक महत्वपूर्ण विषयों को शामिल किया गया। देशभर से आए युवा एनेस्थीसियोलॉजिस्ट्स एवं पोस्टग्रेजुएट छात्रों ने अपने शोध पत्रों एवं पोस्टर प्रस्तुतियों के माध्यम से नवीन चिकित्सीय अनुभव, शोध निष्कर्ष, जटिल मामलों के सफल प्रबंधन तथा आधुनिक चिकित्सा पद्धतियों से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियाँ साझा कीं। इन वैज्ञानिक प्रस्तुतियों ने प्रतिभागियों के बीच गहन अकादमिक चर्चा, विचार-विमर्श एवं ज्ञान के आदान-प्रदान को प्रोत्साहित किया। सम्मेलन में आयोजित पेपर एवं पोस्टर प्रेजेंटेशन प्रतियोगिताओं का मूल्यांकन देश के वरिष्ठ विशेषज्ञों एवं प्रतिष्ठित फैकल्टी सदस्यों द्वारा किया गया।

प्रस्तुतकताओं को उनके शोध की गुणवत्ता, वैज्ञानिक दृष्टिकोण, प्रस्तुतीकरण क्षमता एवं क्लिनिकल उपयोगिता के आधार पर सराहा गया। इस मंच ने युवा चिकित्सकों एवं शोधकताओं को राष्ट्रीय स्तर पर अपनी अकादमिक प्रतिभा प्रदर्शित करने तथा विशेषज्ञों से मार्गदर्शन प्राप्त करने का उत्कृष्ट अवसर प्रदान किया। प्रतिभागियों ने इस वैज्ञानिक सत्र को सम्मेलन के सबसे प्रेरणादायक एवं ज्ञानवर्धक हिस्सों में से एक बताया तथा भविष्य में भी ऐसे शोध-आधारित अकादमिक मंचों के आयोजन की आवश्यकता पर बल दिया। सम्मेलन की सबसे चर्चित गतिविधियों में से एक हैंड्स-ऑन अल्ट्रासाउंड गाइडेड रीजनल एनेस्थीसिया वर्कशॉप रही, जिसमें प्रतिभागियों को विशेषज्ञों की देखरेख में वास्तविक समय आधारित प्रशिक्षण एवं व्यावहारिक अनुभव प्रदान किया गया।

प्रतिभागियों को उन्नत रीजनल ब्लॉक तकनीकों, अल्ट्रासाउंड आधारित एनेस्थीसिया प्रक्रियाओं एवं जटिल परिस्थितियों में समस्या समाधान संबंधी प्रशिक्षण दिया गया। इसके अतिरिक्त पीओकस (Point-of-Care Ultrasound) एवं 2D ईकोकार्डियोग्राफी पर लाइव डेमोंस्ट्रेशन एवं शिक्षण सत्र आयोजित किए गए, जिनमें प्रतिभागियों को पेरिऑपरेटिव कार्डियक असेसमेंट, इमरजेंसी क्रिटिकल केयर एवं बेडसाइड अल्ट्रासाउंड के व्यावहारिक उपयोगों की विस्तृत जानकारी दी गई। प्रतिभागियों ने इन सत्रों की उपयोगिता एवं इंटरएक्टिव शिक्षण शैली की विशेष सराहना की। विशेष रूप से आयोजित कैडेवरिक वर्कशॉप सम्मेलन का अत्यंत प्रशंसित हिस्सा रही। इसमें प्रतिभागियों को अपर लिम्ब ब्लॉक, लोअर लिम्ब ब्लॉक, ट्रंकल एवं एब्डॉमिनल ब्लॉक तथा पीओकस एवं 2D ईको जैसे विभिन्न लर्निंग स्टेशनों के माध्यम से शरीर रचना विज्ञान एवं प्रक्रियात्मक कौशल का गहन प्रशिक्षण प्रदान किया गया।इन कैडेवरिक सत्रों ने युवा एनेस्थीसियोलॉजिस्ट्स एवं स्नातकोत्तर छात्रों को एनाटॉमी एवं वास्तविक क्लिनिकल प्रक्रियाओं के बीच संबंध समझने में सहायता प्रदान की, जिससे उनके आत्मविश्वास एवं व्यावहारिक दक्षता में उल्लेखनीय वृद्धि हुई। सम्मेलन के सफल आयोजन में डॉ. नियति सिन्हा, डॉ. मेघा माहेश्वरी, डॉ. अग्निस्नाता सरकार, डॉ. विभव गुप्ता एवं डॉ. अभिताशा वी. गोपाल सहित आयोजन समिति, रेजिडेंट्स, स्वयंसेवकों एवं तकनीकी टीम के सदस्यों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। सम्मेलन का संपूर्ण वातावरण अत्यंत ऊर्जावान, शैक्षणिक एवं प्रेरणादायक रहा। प्रतिभागियों ने वैज्ञानिक चचाओं, व्यावहारिक कार्यशालाओं, इंटरएक्टिव सत्रों एवं सरस्वती इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज द्वारा उपलब्ध कराए गए उत्कृष्ट अकादमिक वातावरण की भूरी-भूरी प्रशंसा की।

आयोजन समिति ने सभी वक्ताओं, प्रतिनिधियों, फैकल्टी सदस्यों, प्रबंधन, प्रायोजकों, रेजिडेंट्स, स्वयंसेवकों एवं सहयोगी टीमों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि भविष्य में भी इसी प्रकार के राष्ट्रीय स्तर के अकादमिक कार्यक्रमों का आयोजन कर चिकित्सा शिक्षा, शोध, नवाचार एवं गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं को बढ़ावा दिया जाता रहेगा।

ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि ने गोमती नदी के पुनरूद्धार कार्य और निर्मल गंगा जल अभियान का ग्राम पंचायत रम्पुरा फकीरे में किया शुभारम्भ

लुकमान खान

पीलीभीत(वेलकम इंडिया)। जिलाधिकारी ज्ञानेन्द्र सिंह और मां. ब्लॉक प्रमुख पूरनपुर के प्रतिनिधि अपूर्व सिंह ने आज विकास खण्ड पूरनपुर क्षेत्रान्तर्गत ग्राम पंचायत रम्पुरा फकीरे में माँ गोमती नदी का पुनरूद्वार और निर्मल गंगा जल अभियान कार्य का विधि-विधान से पूजन कर कार्य की शुरूआत की। जिलाधिकारी, मा. ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि, गायत्री परिजन, व्यापारियों, सामाजिक संस्था एवं आमजन ने फावड़ा चलाकर नदी के पुनरोद्धार हेतु श्रमदान किया। जिलाधिकारी ने कहा कि गोमती नदी आदि गंगा के नाम से जाने जाती है। उन्होंने कहा कि मा0 मुख्यमंत्री जी ने गोमती पर विशेष ध्यान दिया है और आने वाले समय में यह बहुत बडा पर्यटन स्थल माधोटांडा बनने जाने जा रहा है। उन्होंने सभी को सम्बोधित करते हुए गोमती नदी के ऐतिहासिक और पर्यावरणीय महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने नदी के पुनरूद्धार के लिए प्रशासनिक स्तर पर किए जा रहे प्रयासों की जानकारी दी। अभियान के तहत नदी की सफाई और जीर्णोद्धार कार्यों को गति देना व तटों को सुव्यवस्थित करने का कार्य शुरू किया गया। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य गोमती नदी के जल को स्वच्छ बनाना, जल प्रवाह को अविरल रखना है, जिससे की जल स्तर में सुधार हो सके। इस कार्य में जनप्रतिनिधियों और लोगों का सहयोग मिल रहा है। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण की भी हम सबकी जिम्मेदारी है। ग्राम प्रधान व स्थानीय लोगों द्वारा सराहनीय कार्य हेतु प्रशंसा की गई। मा0 ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि अपूर्व सिंह ने सभी को सम्बोधित करते हुये कहा कि गोमती नदी पीलीभीत की पहचान है। नदियां हमारी सभ्यता की जीवनरेखा हैं। गोमती नदी का पुनरूद्धार आने वाली पीढ़ियों के भविष्य को सुरक्षित करने का एक अभियान है। इससे न केवल जल स्तर में सुधार होगा अपितु स्थानीय जैव विविधता को भी नया जीवन मिलेगा। उन्होंने कहा कि गोमती नदी को नया जीवन प्रदान करना और क्षेत्र के पारिस्थितिक संतुलन को बहाल करना है। नदी की खुदाई और सफाई का कार्य को सही तरीके से कराया जाये। गायत्री परिवार के स्मरवीर सिंह, अशोक खंडेलवाल, ठाकुर अजय सिंह, ड्रीम मैंगो की दीपिका चतुर्वेदी सहित कई लोगों ने विचार रखे। संचालन पूरनपुर के बीडीओ/डीसी मनरेगा ने किया। माता भगवती देवी गोशाला पर आयोजित कार्यक्रम में भी जिलाधिकारी ने भाग लिया। यहां आयोजित भंडारे में जिलाधिकारी सहित सभी श्रमदानियों ने भोजन प्रसाद भी ग्रहण किया। गोशाला प्रबंधक अनंतराम पालिया, लालता प्रसाद शास्त्री आदि ने सभी का स्वागत किया। कार्यक्रम के दौरान भारी जनसमूह जुटा और अगले कार्यक्रम में भी श्रद्धा भाव से पहुंचने का सभी ने संकल्प लिया। देर तक गोमती माता के जयकारे गूंजते रहे। यहां पूरनपुर व कलीनगर के एसडीएम, तहसीलदार व विकास विभाग के अधिकारी मौजूद रहे। गोमती सेवक राममूर्ति सिंह, लक्ष्मण प्रसाद वर्मा, कुंवर निर्भय सिंह, संदीप खंडेलवाल, गुड्डू वाजपेई, रामनरेश शुक्ला, शक्ति सिंह, राजेश गुप्ता, राजू खंडेलवाल, लक्ष्मीकांत भारद्वाज, किरण सिंह, गौरव पांडेय सहित काफी संख्या में गायत्री परिजन, व्यापारी व स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

नाबालिग को बहला-फुसलाकर भगाने वाला आरोपी गिरफ्तार, पॉक्सो एक्ट में बड़ी कार्रवाई

लुकमान खान

पीलीभीत(वेलकम इंडिया)। थाना हजारा क्षेत्र में उस समय सनसनी फैल गई जब नाबालिग किशोरी को बहला-फुसलाकर भगाने के मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। थाना हजारा में दर्ज मुकदमा अपराध संख्या 14/2026 धारा 137(2)/87/64 बीएनएस व 5(जे)2/6 पॉक्सो एक्ट में वांछित चल रहे आरोपी को पुलिस ने विशेष अभियान के दौरान दबोच लिया। बताया जा रहा है कि पुलिस अधीक्षक पीलीभीत के सख्त निर्देश पर जिलेभर में अपराधियों के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत थाना हजारा पुलिस को सूचना मिली कि बहला-फुसलाकर नाबालिग को भगाने वाला आरोपी इलाके में घूम रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम एक्टिव हुई और घेराबंदी कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान हरजिंदर सिंह पुत्र काला सिंह निवासी ग्राम बाजारघाट थाना हजारा जनपद पीलीभीत उम्र करीब 23 वर्ष के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपी को ग्राम भुरजनिया तिराहे के पास से गिरफ्तार कर हिरासत में लिया। आरोपी के खिलाफ पॉक्सो एक्ट समेत गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज था और वह काफी समय से पुलिस की नजरों में था। पुलिस टीम ने आरोपी को गिरफ्तार कर कानूनी कार्रवाई पूरी करते हुए न्यायालय भेज दिया है। इस कार्रवाई में उपनिरीक्षक हरिवंश कुमार, कांस्टेबल रामऔतार, कांस्टेबल आकाश कुमार और महिला कांस्टेबल रीतू की अहम भूमिका रही। घटना के बाद इलाके में तरह-तरह की चचाएं शुरू हो गई हैं। पुलिस की इस ताबड़तोड़ कार्रवाई को लेकर लोगों में चर्चा है कि अब अपराधियों पर शिकंजा कसना शुरू हो चुका है।

विद्युत विभाग की मनमानी पर भड़के किसान, पूरनपुर विद्युत विभाग का किया घेराव

लुकमान खान

पीलीभीत(वेलकम इंडिया)। पूरनपुर विद्युत वितरण खंड में व्याप्त भीषण भ्रष्टाचार और मनमानी के खिलाफ भारतीय किसान यूनियन भानू का सब्र का बांध आखिरकार टूट ही गया। पिछले एक सप्ताह से जारी संघर्ष के बाद आज संगठन ने विद्युत विभाग के कार्यालय पर धावा बोल दिया और जमकर बवाल काटा। किसानों की मुख्य नाराजगी विभाग के एक्सईएन की निक्कमी कार्यशैली को लेकर थी, जो कार्यालय से गायब रहकर फील्ड के नाम पर अपनी जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ते रहे हैं। आज जब किसान अपनी समस्याओं का पिटारा लेकर पहुंचे, तो एक्सईएन कार्यालय में मौजूद तक नहीं थे। फोन पर संपर्क करने पर उन्होंने बीमारी का बहाना बनाकर अपनी खाल बचाने की कोशिश की, जिससे आक्रोशित किसानों का पारा सातवें आसमान पर पहुंच गया। किसानों का आरोप है कि पूरनपुर, शेरपुर कलां और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में अघोषित बिजली कटौती ने जनजीवन और खेती किसानी को बर्बाद कर दिया है। संगठन की महिला मोर्चा ने तो हद पार कर चुके अधिकारियों को बेशर्मी के लिए आड़े हाथों लेते हुए उन्हें चूड़ियां भेंट करने का अल्टीमेटम तक दे दिया। मौके पर मौजूद मंडल अध्यक्ष लाल मिश्रा और जिला अध्यक्ष भजनलाल क्रोधी ने साफ शब्दों में चेतावनी दी कि यदि क्षेत्र की विद्युत व्यवस्था में तत्काल सुधार नहीं हुआ, तो आगामी समय में विभाग के खिलाफ इससे भी बड़ा मोर्चा खोला जाएगा। मामले की गंभीरता को भांपते हुए पूरनपुर उप जिलाधिकारी और एसडीओ सहित माधोटांडा के उपखंड अधिकारी आनन फानन में घटनास्थल पर पहुंचे। प्रशासन को भारी विरोध का सामना करना पड़ा। अंततः अधिकारियों ने लिखित आश्वासन दिया कि विद्युत कटौती पर तत्काल प्रभाव से रोक लगाई जाएगी और व्यवस्था को पटरी पर लाया जाएगा। प्रशासन के आश्वासन और ज्ञापन सौंपने के बाद ही किसान शांत हुए। इस प्रदर्शन में तहसील अध्यक्ष रुसान अहमद, मीडिया प्रभारी सबलू खान समेत तमाम कार्यकर्ता मौजूद रहे। अब सवाल यह है कि क्या यह आश्वासन केवल कागजी साबित होगा या वाकई में बिजली की आंख मिचौली से त्रस्त किसानों को राहत मिलेगी? फिलहाल, पूरनपुर विद्युत विभाग के आला अधिकारियों पर संगठन की पैनी नजर बनी हुई है।

राष्ट्रीय गायत्री ज्ञान संस्थान हरिद्वार की जिला अध्यक्ष ममता आर्य बनीं

हरेंद्र शर्मा

हापुड़/हरिद्वार(वेलकम इंडिया)। राष्ट्रीय गायत्री ज्ञान संस्थान की संस्थापक निर्मला शर्मा ने संगठन का विस्तार करते हुए ममता आर्य को उत्तराखंड के हरिद्वार जिले की नवनियुक्त जिला अध्यक्ष ममता आर्य को नियुक्त किया है। उनकी इस नियुक्ति पर स्थानीय कार्यकताओं और सामाजिक संगठनों में खुशी की लहर है।ममता आर्य का कहना है कि मैं जनता क हित में कार्य करूंगी संस्थान को मजबूती दिलाने के लिए की महिलाओ के प्रति कोई समस्या आने नहीं दूंगी।ये मेरा दायित्व है।संस्थापक निर्मला शर्मा ने आधिकारिक पत्र जारी करते हुए कहा कि ममता आर्य लंबे समय से सामाजिक कार्यों और भारतीय संस्कृति के प्रचार-प्रसार में सक्रिय रही हैं। संगठन के प्रति उनकी निष्ठा, सेवा भाव और कुशल नेतृत्व क्षमता को देखते हुए उन्हें यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है। निर्मला शर्मा ने उम्मीद जताई कि ममता आर्य के नेतृत्व में संस्थान हरिद्वार जिले में नए आयाम स्थापित करेगा और गायत्री ज्ञान व सनातन संस्कारों को जन-जन तक पहुँचाने का कार्य गति पकड़ेगा। नवनियुक्त जिला अध्यक्ष ममता आर्य ने शीर्ष नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वह सौंपे गए दायित्वों का पूरी ईमानदारी से निर्वहन करेंगी। उन्होंने कहा कि उनका मुख्य उद्देश्य युवाओं को नैतिक मूल्यों से जोड़ना, महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाना और समाज के अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति तक संस्थान की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ जन जन तक पहुँचाना का कार्य होगा। इस अवसर पर संगठन के तमाम पदाधिकारियों ने उन्हें बधाई दी। इस दौरान बीना रानी, मोना कुमारी, पुष्पा रानी, होसकोटे सिंह, नवाज मूर्ति, गौरव आर्य अनेक लोग मौजूद रहे।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक गांधी सभागार में हुई सम्पन्न

लुकमान खान

पीलीभीत(वेलकम इंडिया)। जिला सड़क सुरक्षा समिति की कैलेंडर वर्ष 2026 की पांचवीं बैठक का आयोजन जिलाधिकारी ज्ञानेन्द्र सिंह की अध्यक्षता में गांधी सभागार में संपन्न हुआ। बैठक में दिनांक 20 मई 2026 को माननीय मुख्यमंत्री जी द्वारा आयोजित प्रदेश स्तरीय सड़क सुरक्षा समीक्षा बैठक में दिए गए निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित किए जाने हेतु समस्त स्टेकहोल्डर विभागों के अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए। बैठक के दौरान जिलाधिकारी द्वारा निर्देशित किया गया कि जनपद की प्रत्येक तहसील में दुर्घटना संभावित प्रमुख स्थलों को चिन्हित कर उनके लिए कार्ययोजना तैयार करते हुए आवश्यक सुधारात्मक कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। कस्बा अमरिया तथा जहानाबाद बाईपास पर खराब प्रकाश व्यवस्था को शीघ्र ठीक कराने हेतु एनएचएआई के साइट इंजीनियर को निर्देशित किया गया। नवनिर्मित आसाम चैराहा फ्लाईओवर के नीचे हो रहे अतिक्रमण को रोकने तथा पूर्व में स्थापित पुलिस चैकी के लिए नए स्थान का चयन कर वहां पुलिस चैकी निर्माण की कार्यवाही सुनिश्चित किए जाने हेतु संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए गए। जनपद में चिन्हित ब्लैक स्पॉट्स के सुधारीकरण हेतु लोक निर्माण विभाग, एनएचएआई एवं अन्य संबंधित कार्यदायी संस्थाओं के अभियंताओं को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए। इसके अतिरिक्त कई स्थानों पर मुख्य मार्गों से जुड़ने वाले लिंक रोडों पर स्पीड ब्रेकर निर्माण एवं प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित किए जाने हेतु निर्देशित किया गया। जनपद में रोडवेज बसों का संचालन केवल निर्धारित स्थानों से किए जाने हेतु परिवहन निगम के सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक को निर्देश दिए गए।

साथ ही नगर निकायों एवं नगर पालिकाओं को अपने-अपने क्षेत्रों में केवल निर्धारित वाहन स्टैंड से ही व्यावसायिक वाहनों का संचालन सुनिश्चित कराने तथा अवैध वाहन स्टैण्डों के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया गया। जिलाधिकारी द्वारा अवैध खनन एवं ओवरलोडिंग परिवहन के विरुद्ध राजस्व विभाग, खनन विभाग, पुलिस विभाग एवं परिवहन विभाग को संयुक्त रूप से निरंतर अभियान चलाकर कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि बिना नंबर प्लेट वाले किसी भी वाहन के संचालन की स्थिति में वाहन को सीज करते हुए चालक के ड्राइविंग लाइसेंस के निलंबन एवं निरस्तीकरण की कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। अवैध खनन की स्थिति में संबंधित राजस्व एवं पुलिस कर्मियों की जवाबदेही निर्धारित करते हुए विभागीय अनुशासनात्मक कार्यवाही भी सुनिश्चित कराई जाए। बैठक में स्कूली वाहनों का संचालन निर्धारित मानकों के अनुरूप सुनिश्चित कराने तथा अनाधिकृत रूप से स्कूली बच्चों का परिवहन करने वाले वाहनों के विरुद्ध कठोर कार्यवाही किए जाने के निर्देश भी दिए गए। जिला सड़क सुरक्षा समिति की उक्त बैठक में पुलिस अधीक्षक, अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व), मुख्य चिकित्सा अधिकारी, उप जिलाधिकारी सदर, उप जिलाधिकारी पूरनपुर, नगर मजिस्ट्रेट, सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी, लोक निर्माण विभाग एवं राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के अभियंता, एनएचएआई एवं अन्य कार्यदायी संस्थाओं के साइट इंजीनियर, नगर निकायों के अधिशासी अधिकारी, शिक्षा विभाग के अधिकारी तथा अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी एवं प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

मोहल्ला कालीनगर दिनेशपुर दहेज उत्पीड़न में पति और सास पर मुकदमा दर्ज

लुकमान खान

पीलीभीत(वेलकम इंडिया)। पीलीभीत गजरौला थाना क्षेत्र की रहने वाली कुसुम मंडल ने पति और सास पर दहेज उत्पीड़न, मारपीट और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है। पीड़िता ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उसका विवाह वर्ष 2019 में मंगल मंडल निवासी मोहल्ला कालीनगर दिनेशपुर थाना-दिनेशपुर जिला-ऊधमसिंहनगर, उत्तराखण्ड के साथ हुआ था। विवाह में मायके पक्ष ने करीब पांच लाख रुपये खर्च किए थे, लेकिन ससुराल पक्ष अतिरिक्त दहेज में मोटरसाइकिल और दो लाख रुपये की मांग कर रहा था। आरोप है कि मांग पूरी न होने पर पति मंगल मंडल और सास कल्पना मंडल उसे शारीरिक व मानसिक रूप से प्रताड़ित करते थे। 17 मई को मारपीट कर उसे चार वर्षीय बेटे मन्नत मंडल के साथ घर से निकाल दिया गया। वहीं 20 मई को मायके पहुंचकर भी मारपीट की गई।

मुख्यमंत्री धामी ने खटीमा में 'दीदी की लाइब्रेरी' का लोकार्पण किया

वेलकम इंडिया संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने खटीमा भ्रमण के दौरान विकासखंड कार्यालय परिसर में 89 लाख की लागत की विभिन्न विकास योजनाओं का लोकार्पण किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि राज्य सरकार युवाओं के उज्ज्वल भविष्य, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तथा स्वस्थ समाज के निर्माण के लिए लगातार कार्य कर रही है।

मुख्यमंत्री ने 55 लाख की लागत से निर्मित आधुनिक 'दीदी की लाइब्रेरी', 7.50 लाख रुपये की लागत से आधुनिकीकृत व्यायामशाला भवन तथा 26.50 की लागत से विकासखंड सभागार के आधुनिकीकरण कार्यों का लोकार्पण किया। उन्होंने कहा कि ये सभी सुविधाएं क्षेत्र के विद्यार्थियों, युवाओं एवं आमजन के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध होंगी तथा शिक्षा विकास की नई संभावनाओं को गति देंगी। उन्होंने कहा कि खटीमा में स्थापित की गई दीदी की लाइब्रेरी विद्यार्थियों और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे युवाओं के लिए ज्ञान का महत्वपूर्ण केंद्र बनेगी।

आधुनिक सुविधाओं से युक्त यह पुस्तकालय छात्रों को शांत एवं अनुकूल अध्ययन वातावरण उपलब्ध कराएगा, जिससे वे अपने लक्ष्य निर्धारण के साथ बेहतर तैयारी कर सकेंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि ग्रामीण एवं सीमांत क्षेत्रों के अनेक प्रतिभाशाली छात्र संसाधनों की कमी के कारण गुणवत्तापूर्ण अध्ययन सुविधाओं से वंचित रह जाते थे।

नई लाइब्रेरी ऐसे विद्यार्थियों के लिए वरदान साबित होगी,यहां उपलब्ध पुस्तकों, अध्ययन सामग्री से युवाओं को प्रतियोगी परीक्षाओं, उच्च शिक्षा तथा विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए बेहतर तैयारी करने का अवसर मिलेगा। यह पुस्तकालय केवल किताबों का संग्रह नहीं बल्कि युवाओं के सपनों को साकार करने का एक सशक्त माध्यम बनेगा।

उन्होंने कहा कि हमारी सरकार महिला सशक्तिकरण की दिशा में लगातार कार्य कर रही है, इसी क्रम में इस लाइब्रेरी का संचालन भी स्वयं सहायता समूह की महिलाओं के द्वारा संचालित किया जाएगा, जिससे उनकी आय में वृद्धि होगी।

मुख्यमंत्री ने व्यायामशाला भवन के नवीनीकरण एवं आधुनिकीकरण को भी युवाओं के लिए महत्वपूर्ण पहल बताया।

उन्होंने कहा कि आधुनिक उपकरणों एवं बेहतर सुविधाओं से सुसज्जित व्यायामशाला युवाओं को फिटनेस, खेलकूद और स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने में सहायक होगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि खटीमा उनका गृह क्षेत्र होने के साथ-साथ विकास के प्रति उनकी विशेष प्रतिबद्धता का भी केंद्र है, क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के लिए निरंतर प्रयास जारी रहेंगे। मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने निजी आवास, खटीमा से समस्त जिलाधिकारियों के साथ वर्चुअल बैठक भी की।

जैत पुलिस और पशु चोरों के बीच मुठभेड़, तीन बदमाश घायल, नकदी और हथियार बरामद

मथुरा(वेलकम इंडिया)। थाना जैत क्षेत्र में सोमवार तड़के पुलिस और पशु चोरों के बीच मुठभेड़ हो गई। पुलिस के अनुसार चेकिंग के दौरान संदिग्ध बदमाशों को रोकने का प्रयास किया गया, लेकिन बदमाशों ने पुलिस टीम पर फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में तीनों बदमाश गोली लगने से घायल हो गए, जिन्हें उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने मौके से 1 लाख 4 हजार रुपये नकद, तीन तमंचे और जिंदा कारतूस बरामद किए हैं। बताया जा रहा है कि आरोपी पशु चोरी की घटनाओं में शामिल थे और पुलिस को काफी समय से उनकी तलाश थी। घटना की सूचना मिलते ही वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे और पूरे घटनाक्रम की जानकारी ली। पुलिस द्वारा आरोपियों के आपराधिक इतिहास की जांच की जा रही है तथा मामले में अग्रिम विधिक कार्रवाई जारी है।

धान की सीधी बिजाई को खाद की दरकार: पूसा संस्थान दिल्ली व कृषि विभाग चुनिंदा किसानों को देगा बीज

अड़ींग सोसायटी का 52 हजार एकड़ का रकबा, एक बोरा खाद नहीं

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा। गोवर्धन क्षेत्र के गांव अड़ींग में धान की सीधी बिजाई की तरफ किसान बेहद आकर्षित हैं। डीएसआर के नाम से विख्यात इस तकनीक में पानी की बेहद बचत के साथ रोपाई पर होने वाले खर्च में भी 70 फीसदी तक कमी आती है लेकिन यहां किसान बिजाई के लिए खाद के लिए मारे-मारे फिर रहे हैं। गांव में पांच मशीनें आ चुकी हैं। गत वर्ष एक सोच फाउंडेशन के सहयोग से पूसा संस्थान ने किसानों में 1985 किस्म का 10 कुंटल धान बीज निशुल्क बांटा। इस बार मथुरा कृषि विभाग किसानों का हौसला बढ़ाने को कुछ बीज प्रदान कर रहा है।

बढ़ते लेबर चार्ज से धान किसान परेशान हो चुके हैं। पानी की कमी दूसरा कारण है। गत वर्ष फाउण्डेशन के माध्यम से पूसा संस्थान दिल्ली से किसानों को धान का बीज तो निःशुल्क मिल गया लेकिन सीधी बिजाई की डीएसआर मशीन नहीं मिली। जून के अंतिम सप्ताह में मशीन मिली और बेहद कम किसान परफेक्ट तरीके से बुबाई कर सके लेकिन जब फसल लहलहाने लगी तो कयी किसानों ने मन बना लिया कि वह अब इसी तरीके से धान की खेती करेंगे।

कृषि सलाहकार दिलीप कुमार यादव ने बताया कि वह कयी साल से किसानों को इस दिशा में मोड़ने का प्रयास कर रहे हैं लेकिन अब परफेक्ट मशीनें आने से किसान उत्साहित हैं। कृषि विज्ञान केन्द्र प्रभारी वाई के शर्मा ने कहा कि अभी तापमान बहुत ज्यादा है। किसान जल्दबाजी न करें। जून के पहले हफ्ते में तापमान में गिरावट के बाद ही बुबाई करें। किसान खाद के लिए परेशान हैं। जिला कृषि अधिकारी आवेश कुमार ने बताया कि वह उच्चाधिकारियों से वार्ता कर प्रयास करेंगे कि अड़ींग के किसानों को सीधी बिजाई के लिए पर्याप्त खाद मिल सके।

गर्मी में बिजली संकट से राहत, गोवर्धन उपकेंद्र पर ट्रांसफार्मरों को हीट स्ट्रोक से बचाने को लगे कूलर

वेलकम इंडिया संवाददाता

गोवर्धन। ग्रामीण क्षेत्रों में भीषण गर्मी के बीच निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए विद्युत विभाग अलर्ट हो गया है। ग्रामीण उपकेंद्र अड़ीग पर पावर ट्रांसफार्मरों को अत्यधिक गर्म होने से बचाने के लिए कूलर लगाए जा रहे हैं। यह कदम हीट वेव न्यूट्रलाइजेशन योजना के तहत उठाया गया है। उपकेंद्र पर लगे बड़े पावर ट्रांसफार्मर लगातार चलने से गर्मी में बहुत गर्म हो जाते हैं। तापमान बढ़ने पर इनके ट्रिप होने या खराब होने का खतरा रहता है, जिससे घंटों बिजली गुल हो जाती है। इस समस्या से निपटने के लिए विभाग ने ट्रांसफार्मरों के पास बड़े कूलर स्थापित किए हैं, जो सीधी हवा फेंककर तापमान को नियंत्रित करेंगे। इसके अतिरिक्त, उपकेंद्र के सभी पावर परिवर्तकों की अर्थिंग में नियमित रूप से पानी डाला जा रहा है। गर्मी में सूखी अर्थिंग के कारण वोल्टेज में उतार-चढ़ाव और ट्रिपिंग की समस्या बढ़ जाती है। अर्थिंग में नमी बनाए रखने से ट्रांसफार्मर की दक्षता बढ़ती है और ब्रेकडाउन कम होता है। जेई अड़ीग मोजीलाल ने बताया कि गर्मियों में बिजली का लोड 40 से 46 प्रतिशत तक बढ़ जाता है। उन्होंने कहा, 'ट्रांसफार्मर को ठंडा रखने के लिए कूलर और अर्थिंग में पानी डालना बेहद जरूरी है। हमारा लक्ष्य है कि ग्रामीण क्षेत्रों को गर्मी में निर्बाध बिजली मिले। फसल की सिंचाई और पीने के पानी के लिए बिजली कटना एक बड़ी समस्या है, जिसे रोकने के लिए पूरे प्रयास किए जा रहे हैं। विद्युत विभाग का दावा हैं कि इन उपायों से गोवर्धन क्षेत्र के अड़ीग, सोंसा, पाली, जमुनवता, रंगपुरा, राजपुर,सहित दर्जनों से अधिक गाँवो में ट्रिपिंग की समस्या कम होंगी।

पुजारी पर दर्ज मुकदमे के विरोध में एसएसपी कार्यालय पहुंचे हजारों लोग

राजीव मोंगरा

सहारनपुर(वेलकम इंडिया)। सोमवार को सहारनपुर में धार्मिक और आंदोलनकारी माहौल उस समय देखने को मिला, जब बड़ी संख्या में ब्राह्मण समाज, मंदिरों के पुजारी तथा स्वर्ण समाज के लोग एसएसपी कार्यालय पहुंचे और धरना-प्रदर्शन किया। यह प्रदर्शन मंदिर पुजारी विजय शास्त्री के खिलाफ दर्ज मुकदमों के विरोध में आयोजित किया गया। प्रदर्शन के दौरान लोगों ने प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की तथा सामूहिक रूप से हनुमान चालीसा का पाठ किया। सुबह से ही शहर और देहात क्षेत्र के विभिन्न मंदिरों से पुजारी, धमाचार्य और समाज के लोग जुलूस के रूप में एसएसपी कार्यालय पहुंचने लगे। प्रदर्शन में शामिल कई लोग भगवा दुपट्टा और माथे पर तिलक लगाए नजर आए। हाथों में धार्मिक झंडे और तख्तियां लेकर प्रदर्शनकारियों ने अपनी मांगों को लेकर विरोध दर्ज कराया। बड़ी संख्या में लोगों के जुटने से एसएसपी कार्यालय के आसपास सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई। प्रदर्शनकारियों ने प्रशासन को ज्ञापन सौंपकर मांग की कि पुजारी विजय शास्त्री के खिलाफ दर्ज एससी-एसटी एक्ट और पॉक्सो एक्ट के मुकदमों की निष्पक्ष एवं उच्चस्तरीय जांच कराई जाए। उनका कहना था कि यदि जांच में आरोप असत्य पाए जाते हैं तो शिकायतकर्ताओं के खिलाफ भी नियमानुसार कार्रवाई की जाए। प्रदर्शन के दौरान समाज के प्रतिनिधियों ने चेतावनी दी कि मांगों पर कार्रवाई नहीं होने पर आंदोलन को आगे बढ़ाया जाएगा। धरना-प्रदर्शन के कारण आसपास के क्षेत्र में यातायात प्रभावित रहा और कुछ समय तक जाम की स्थिति बनी रही। पुलिस प्रशासन ने वाहनों को वैकल्पिक मार्गों से संचालित कराया। उधर, पुलिस के अनुसार मामला देहात कोतवाली क्षेत्र के एक गांव स्थित शिव मंदिर से जुड़ा है। आरोप है कि शुक्रवार को मंदिर परिसर में मौजूद पुजारी विजय पंडित (65) पर गांव की 10 वर्षीय बच्ची के साथ छेड़छाड़ करने का आरोप लगा।

ज्येष्ठ दशहरा गंगा स्नान पर्व पर एडवोकेट सुधीर चौहान ने कराया मीठे शरबत का वितरण

राजेंद्र सिंह

बहादुरगढ़(वेलकम इंडिया)। ज्येष्ठ दशहरा गंगा स्नान पर्व के अवसर पर क्षेत्र में श्रद्धा और सेवा का माहौल देखने को मिला। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता एडवोकेट सुधीर चौहान द्वारा अपने कैंप कार्यालय पलवाड़ा सलारपुर रोड चित्तौड़ा पर श्रद्धालुओं एवं राहगीरों के लिए मीठे शरबत की व्यवस्था कराई गई।

भीषण गर्मी के बीच लोगों ने शरबत पीकर राहत महसूस की और इस सेवा कार्य की सराहना की। एडवोकेट सुधीर चौहान ने कहा कि गंगा स्नान पर्व केवल आस्था का ही नहीं बल्कि सेवा और मानवता का भी प्रतीक है। ऐसे पावन अवसरों पर लोगों की सेवा करना पुण्य का कार्य है।

सुबह से ही कैंप कार्यालय पर श्रद्धालुओं और राहगीरों की भीड़ लगी रही, जहां सभी को प्रेमपूर्वक मीठा शरबत वितरित किया गया। इस दौरान क्षेत्र के कई गणमान्य लोग और स्थानीय निवासी मौजूद रहे। लोगों ने कहा कि भीषण गर्मी में इस तरह का सेवा कार्य मानवता की मिसाल है। इस मौके पर सुनील चौहान उर्फ पिंटू, आशु चौहान, प्रशांत चौहान, इंद्रराज सिंह चौहान, सुजल चौहान सहित बड़ी संख्या में लोगों ने गंगा स्नान पर्व पर सेवा कार्य में सहयोग दिया।

खटीमा में जन-जन की सरकार, मुख्यमंत्री संवाद कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने पंचायत व निकाय जनप्रतिनिधियों से संवाद किया

वेलकम इंडिया संवाददाता

देहरादून। विकासखंड सभागार खटीमा में जन-जन की सरकार, मुख्यमंत्री संवाद कार्यक्रम में मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने पंचायत व निकाय जनप्रतिनिधियों से संवाद किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत की आत्मा हमारे गांवों में बसती है और देश की वास्तविक प्रगति तभी संभव है जब हमारे गांव और कस्बे सशक्त, समृद्ध और आत्मनिर्भर बनें। उन्होंने कहा कि यदि गांव विकसित होंगे, तो राज्य और राष्ट्र स्वतः ही विकास की ऊँचाइयों को प्राप्त करेगा।

यही कारण है कि आज प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के कुशल नेतृत्व में भारत को वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने के लक्ष्य के साथ ग्रामीण विकास के क्षेत्र में अभूतपूर्व कार्य किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि हम जहां एक ओर एक जनपद, दो उत्पाद योजना और हाउस ऑफ हिमालयाज ब्रांड के माध्यम से अपने पारंपरिक उत्पादों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर व्यापक पहचान दिलाने का काम कर रहे हैं।

वहीं, स्टेट मिलेट मिशन, फार्म मशीनरी बैंक, एप्पल मिशन, नई पर्यटन नीति, नई फिल्म नीति, होम स्टे, वेड इन उत्तराखण्ड और सौर स्वरोजगार योजना जैसी पहलों के माध्यम से हम प्रदेश की स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान करने के लिए व्यापक रूप से कार्य कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि ये हम सभी के लिए गर्व का विषय है कि आज राज्य की 2 लाख 65 हजार से अधिक बहनों ने 'लखपति दीदी' बनकर महिला सशक्तिकरण की दिशा में नया इतिहास रचा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास और प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं की तैयारी के लिए 'साथी केंद्र' की स्थापना भी की गई है। खटीमा और टनकपुर के बीच एक भव्य सैन्य स्मारक भी बनाने जा रहे हैं, जिस पर जल्द ही कार्य प्रारंभ हो जाएगा।

उन्होंने कहा कि हमारी सरकार देवभूमि उत्तराखण्ड को देश का सर्वश्रेष्ठ राज्य बनाने के अपने 'विकल्प रहित संकल्प' को पूर्ण करने के लिए लगातार काम कर रही है और मुझे पूर्ण विश्वास है कि हमारे इस संकल्प को साकार करने में खटीमा की जनता इसी प्रकार हमारी सरकार के साथ कंधे से कंधा मिलाकर अपना योगदान देते रहेगी।

इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष श्री अजय मौर्य, ब्लॉक प्रमुख सरिता राणा, अध्यक्ष नगर पालिका परिषद श्री रमेश चंद्र जोशी, अध्यक्ष ग्राम प्रधान संगठन आशा बिष्ट, ज्येष्ठ प्रमुख भागीरथी राणा, कनिष्ठ प्रमुख श्री गौरव नेगी, पूर्व विधायक डॉ. प्रेम सिंह राणा, सांसद प्रतिनिधि श्री रविंद्र राणा, जिलाध्यक्ष श्री कमल जिंदल, डीएम श्री नितिन सिंह भदौरिया, एसएसपी श्री अजय गणपति, सीडीओ श्री दिवेश शासनी, एडीएम कौस्तुभ मिश्र, श्री पंकज उपाध्याय, एएसपी डॉ. उत्तम सिंह नेगी, परियोजना निदेशक डीआरडीए श्री हिमांशु जोशी, डीडीओ श्री सुशील मोहन डोभाल सहित अन्य अधिकारी व जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मिले हापुड़ के प्रतिनिधि, जिला न्यायालय भवन व विकास कार्यों पर हुई चर्चा

राजेंद्र सिंह

हापुड़ लखनऊ(वेलकम इंडिया)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री Yogi Adityanath से लखनऊ में जनपद हापुड़ के प्रतिनिधिमंडल ने शिष्टाचार मुलाकात की। इस दौरान जनपद हापुड़ में जिला सत्र एवं न्यायालय भवन निर्माण के लिए धनराशि आवंटित करने, जनपद हापुड़ के सीमा विस्तार तथा हापुड़ विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न विकास कार्यों से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई प्रतिनिधिमंडल द्वारा मुख्यमंत्री के समक्ष क्षेत्र की प्रमुख समस्याएं और विकास संबंधी मांगें रखी गईं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सभी विषयों को गंभीरता से सुनते हुए जल्द ही आवश्यक कार्रवाई एवं समस्याओं के समाधान का आश्वासन दिया। इस अवसर पर हापुड़ बार एसोसिएशन के अध्यक्ष देवेन्द्र चौधरी, सचिव रवि कुमार तथा एडवोकेट आबिद नबी भी उपस्थित रहे। प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि हापुड़ के विकास को लेकर सरकार सकारात्मक सोच के साथ कार्य कर रही है।

फुलवाड़ी-फुलाचौरा खालीधार सड़क का निर्माण करने को लेकर संघर्ष समिति गठित

सड़क निर्माण होने तक आंदोलन जारी रखने की चेतावनी

गणेश उपाध्याय

कपकोट(वेलकम इंडिया)। फुलवाड़ी-फुलाचौरा खालीधार सड़क संघर्ष समिति की बैठक में ग्रामीणों ने सड़क निर्माण की मांग को लेकर आंदोलन तेज करने का निर्णय लिया। यहां सड़क निर्माण को लेकर नाराजगी जताते हुए क्षेत्रीय लोगों ने सरकार के गांव गांव तक सड़क निर्माण करने के दावों के बाद भी अब तक गांव को सड़क सुविधा का लाभ नही होने को चिंताजनक बताया।साथ ही सड़क निर्माण के लिए अब संघर्ष समिति बनाए जाने को लेकर संघर्ष समिति की नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। जिसमें सर्वसम्मत्ति से अध्यक्ष पद पर रतन सिंह दानू, सचिव करम सिंह दानू, कोषाध्यक्ष मदन सिंह धामी, उपाध्यक्ष शेर सिंह दानू और गजेंद्र सिंह दानू को चुना गया।

संरक्षक पद पर चरण सिंह बघरी, महिला उपाध्यक्ष पद पर तारा धामी और बसंती बघरी तथा उप सचिव पद पर बहादुर सिंह बघरी एवं संगठन मंत्री पद पर खड़ग सिंह दानू का चयन किया गया। बैठक में ग्रामीणों ने एकजुटता दिखाते हुए एक स्वर में ह्यरोड नहीं तो वोट नहींह्ल का नारा बुलंद किया।उन्होंने कहा कि जब तक गांव तक सड़क नहीं पहुंचेगी, तब तक आंदोलन जारी रहेगा। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि नौ जनवरी 2026 को क्षेत्र भ्रमण के दौरान विधायक सुरेश गढ़िया ने पांच माह के भीतर सड़क निर्माण शुरू कराने का आश्वासन दिया था, लेकिन अब तक निर्माण प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ सकी है, जिससे लोगों में नाराजगी बढ़ रही है। बैठक में मौजूद पूर्व विधायक शेर सिंह गढ़िया ने कहा कि क्षेत्र जिला पंचायत तोली के अंतर्गत आता है और वह सड़क निर्माण के लिए अपने स्तर पर भी प्रयास करेंगे। कहा कि गांव के विकास के लिए सड़क निर्माण आवश्यक है।उन्होंने सभी लोगों को सड़क सुविधा का लाभ देने हेतु ग्रामीणों के साथ उनके संघर्ष में हर पल शहयोग देने का आश्वासन दिया। इस दौरान देवेंद्र सिंह दानू, मोहन सिंह दानू, दलीप सिंह दानू, उम्मेद सिंह दानू, सरुली देवी, पार्वती देवी, आनंद सिंह बिष्ट, भूपाल सिंह बघरी और प्रकाश सिंह गढ़िया समेत कई ग्रामीण मौजूद रहे।

जनगणना कर रही महिला टीचर से अभद्रता, बहादुरगढ़ पुलिस ने दो आरोपी दबोचे

राजेंद्र सिंह

हापुड़ बहादुरगढ़(वेलकम इंडिया)। जनपद में महिला सुरक्षा को लेकर पुलिस लगातार सख्त रुख अपनाए हुए है। पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना बहादुरगढ़ पुलिस ने जनगणना ड्यूटी पर तैनात महिला टीचर से अभद्रता करने वाले दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

जानकारी के अनुसार महिला टीचर क्षेत्र में जनगणना कार्य कर रही थीं। इसी दौरान दो युवकों ने उनके साथ अभद्र व्यवहार किया। महिला द्वारा मामले की सूचना पुलिस को दिए जाने के बाद थाना बहादुरगढ़ पुलिस तत्काल सक्रिय हुई और त्वरित कार्रवाई करते हुए दोनों आरोपियों को दबोच लिया। थानाध्यक्ष इंद्रकांत यादव ने बताया कि महिलाओं की सुरक्षा से खिलवाड़ करने वालों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। पुलिस द्वारा आरोपियों के खिलाफ आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। पुलिस की इस कार्रवाई से क्षेत्र में कानून व्यवस्था को लेकर लोगों में भरोसा मजबूत हुआ है।

केंद्र की नीतियों पर बरसे सांसद इमरान मसूद, बोले इस बार परिवार से कोई नहीं लड़ेगा चुनाव

राजीव मोंगरा

सहारनपुर(वेलकम इंडिया)। सहारनपुर के लोकसभा सदस्य और वरिष्ठ कांग्रेस नेता इमरान मसूद ने आज अपने आवास पर पत्रकारों से वार्ता करते हुए केंद्र सरकार की आर्थिक और विदेश नीति पर कड़े प्रहार किए। उन्होंने कई बड़े मुद्दों पर अपनी बात रखने के साथ-साथ एक बड़ी राजनीतिक घोषणा भी की। सांसद इमरान मसूद ने साफ कहा कि केंद्र सरकार अमेरिका के दबाव में महंगा पेट्रोलियम पदार्थ खरीद रही है, जिससे देश में पेट्रोल-डीजल के दाम लगातार बढ़ रहे हैं।

उन्होंने चेतावनी दी कि यदि यही हाल रहा तो देश में तेल की भारी किल्लत पैदा हो सकती है।इसके साथ ही उन्होंने दाल, चावल, गेहूं और दवाओं की आसमान छूती कीमतों पर भी चिंता जताई।उन्होंने आरोप लगाया कि इन मुख्य मुद्दों से जनता का ध्यान भटकाने के लिए भाजपा की डबल इंजन सरकारें अल्पसंख्यकों, मस्जिदों और मदरसों को निशाना बना रही हैं। इमरान मसूद ने कहा कि हम लगातार केंद्र सरकार से मांग कर रहे हैं कि गौहत्या के खिलाफ देश में कड़ा कानून बने, गाय की खरीद-बिक्री पर पूरी तरह रोक लगे और हिंदुओं के लिए पूजनीय गौमाता को श्राष्ट्रीय पशुश घोषित किया जाए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस हमेशा सामाजिक सौहार्द और राष्ट्रीय एकता की बात करती है, जबकि भाजपा समाज में वैमनस्य फैला रही है।

प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान इमरान मसूद ने एक बेहद महत्वपूर्ण घोषणा करते हुए कहा कि आगामी विधानसभा चुनावों में उनके परिवार का कोई भी सदस्य चुनाव मैदान में नहीं उतरेगा।

जब उन्होंने यह घोषणा की, तब उनके सगे भाई और गंगोह नगर पालिका के पूर्व चेयरमैन नौमान मसूद भी वहीं मौजूद थे, जो अक्सर हर चुनाव में उतरते रहे हैं।

भाई की इस घोषणा से उनके चेहरे पर मायूसी साफ देखी गई। आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों पर उन्होंने कहा कि कांग्रेस सभी 403 सीटों पर बूथ स्तर तक संगठन मजबूत कर रही है।

सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव या अन्य दलों से गठबंधन के सवाल पर उन्होंने कहा कि इस पर अंतिम फैसला पार्टी हाईकमान ही करेगा। वहीं मायावती पर तंज कसते हुए उन्होंने कहा कि बसपा का हाथी तो भाजपा की ओर जाता दिख रहा है।

उन्होंने कश्यप समाज की महिला को न्याय दिलाने की मांग को लेकर कैराना की सपा सांसद इकरा हसन के साथ पुलिस-प्रशासन द्वारा किए गए दुर्व्यवहार की कड़े शब्दों में निंदा की। उन्होंने कहा कि अधिकारियों को जनप्रतिनिधियों का सम्मान करना चाहिए। नगर के एक मंदिर के पुजारी पर दर्ज हुए बलात्कार के मुकदमे पर इमरान मसूद ने कहा कि पुलिस को किसी के नाजायज दबाव में आकर कार्रवाई नहीं करनी चाहिए।

उन्होंने उच्चाधिकारियों से इस मामले की निष्पक्ष जांच कराकर ब्राह्मण समाज को न्याय देने की मांग की। गौरतलब है कि इस मामले के विरोध में आज सहारनपुर के सभी मंदिर बंद रखकर हजारों ब्राह्मणों ने कलेक्ट्रेट पर धरना दिया था, जिसका सांसद ने समर्थन किया।प्रेस कॉन्फ्रेंस में मुख्य रूप से पूर्व विधायक सुरेंद्र कपिल, महेंद्र तनेजा, पूर्व दर्जा प्राप्त मंत्री सरफराज खान, कांग्रेस जिला अध्यक्ष ठाकुर संदीप सिंह राणा, जिला प्रवक्ता गणेश दत्त शर्मा और फरहाद गाड़ा आदि उपस्थित रहे।

महिला अपराधों की लंबित विवेचनाओं को लेकर विभिन्न थानों के विवेचकों संग समीक्षा बैठक, दिए आवश्यक निर्देश

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। सोमवार को पुलिस अधीक्षक संदीप कुमार मीना ने थाना कोतवाली खलीलाबाद, थाना दुधारा, थाना धनघटा, थाना मेहदावल, थाना बखिरा व थाना बेलहरकला पर नियुक्त समस्त प्रभारी निरीक्षक/थानाध्यक्षों व विवेचकों के साथ पुलिस कार्यालय पर महिला अपराध संबंधित अपराधो की लंबित विवेचनाओं के संबंध में समीक्षा की। समीक्षा के दौरान महोदय द्वारा थानों पर अधिक समय से लंबित विवेचनाओं के सम्बन्ध में विस्तृत समीक्षा की गयी । विवेचनाओं के लंबित रहने के कारणों पर चर्चा करते हुए अकारण लंबित प्रकरणों पर नाराजगी व्यक्त की गयी तथा सभी विवेचकों को समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करने हेतु निर्देशित किया गया । साथ ही जनशिकायतों की सुनवाई कर त्वरित जांच, विधिक निस्तारण तथा क्षेत्र में अपराध नियंत्रण हेतु प्रभावी कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। साथ ही विवेचकों को भविष्य में विवेचना कार्य में किसी प्रकार की लापरवाही एवं शिथिलता न बरतने हेतु चेतावनी दी गई। प्रभारी निरीक्षक/थानाध्यक्षों को अपने अधीनस्थ समस्त विवेचकों की नियमित समीक्षा कर कार्यों का समय से निस्तारण कराने हेतु निर्देशित किया गया । उन्होंने विवेचकों को विवेचनाओं में आधुनिक तकनीक एवं डिजिटल माध्यमों के अधिकतम उपयोग पर विशेष बल दिया गया । यक्ष ऐप, ए-समन एवं S-ID प्रणाली के प्रभावी प्रयोग के माध्यम से कार्यों को पारदर्शी एवं त्वरित रूप से संपादित करने हेतु निर्देशित किया गया ।

हत्या के प्रयास में वांछित अभियुक्त गिरफ्तार, कब्जे से घटना में प्रयुक्त एक चाकू बरामद

राजीव मोंगरा

सहारनपुर(वेलकम इंडिया)। थाना कुतुबशेर पुलिस ने हत्या के प्रयास में वांछित एक अभियुक्त को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से घटना में प्रयुक्त एक चाकू बरामद किया है। बता दे कि दिनांक 23.05.2026 को वादी मेघराज सिंह पुत्र रामशरण निवासी नया बास मानकमाऊ थाना कुतुबशेर जनपद सहारनपुर ने पुलिस को एक प्रार्थना पत्र देकर अभियुक्त अरविन्द पुत्र स्व0 श्रम सिंह निवासी नया बांस मानकमऊ गंगोह रोड मानकमाऊ व उसके भाई सोनू के साथ मारपीट, गाली- गलौज और चाकू से वार करना व जान से मारने की धमकी देने के सम्बन्ध में थाना कुतुबशेर पर मु0अ0स0 232/26 धारा-109(1)/352/351(2) बीएनएस पंजीकृत कराया गया था। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, सहारनपुर द्वारा तत्काल घटना का संज्ञान लेकर अभियुक्त की गिरफ्तारी हेतु आदेश निर्देश दिये गये। निदेर्शों के क्रम में पुलिस अधीक्षक नगर एवं क्षेत्राधिकारी नगर प्रथम के निकट पर्यवेक्षण में तथा प्रभारी निरीक्षक संतोष कुमार त्यागी के कुशल नेतृत्व में थाना कुतुबशेर पुलिस ने आज मुखबिर की सूचना पर मुकदमा उपरोक्त से सम्बन्धित वांछित अभियुक्त अरविन्द पुत्र स्व0 श्रम सिंह निवासी नया बांस मानकमऊ गंगोह रोड मानकमऊ थाना कुतुबशेर जिला सहारनपुर को मानकमऊ नहर की पटरी से कब्रिस्तान रोड से एक चाकू के साथ गिरफ्तार किया है।

रीवा के घटना को लेकर जैन समाज मे रोष

निष्पक्ष जांच एवं आरोपियों गिरफ्तारी को लेकर प्रधानमंत्री के नाम सौपा ज्ञापन

वेलकम इंडिया संवाददाता

राजाखेड़ा धौलपुर। रीवा में सड़क दुर्घटना में दो जैन साध्वियों की मौत के विरोध में सोमवार को राजाखेड़ा जैन समाज ने विहाररत जैन साधु-संतों की सुरक्षा हेतु विशेष सुरक्षा व्यवस्था, राष्ट्रीय संत सुरक्षा नीति एवं आर्यिका माताजी दुर्घटना प्रकरण की निष्पक्ष उच्चस्तरीय जाँच की माँग को लेकर उपखंड अधिकारी सुशीला मीणा को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम ज्ञापन सौपा।ज्ञापन में जैन साधु-साध्वियों की सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की मांग उठाई। जैन समाज के लोगों ने आए दिन होने वाले इन सड़क हादसे पर चिंता जताई। हम समस्त जैन समाज अत्यन्त दुःख एवं गहरी वेदना के साथ आपका ध्यान हाल ही में विहाररत आर्यिका माताजी के साथ हुई अत्यन्त दुखद घटना की ओर आकर्षित करना चाहते हैं, जिसमें संघ की पूज्य आर्यिकाओं का असामयिक निधन हो गया। यह घटना केवल एक सड़क दुर्घटना भर नहीं मानी जा सकती। उपलब्ध तथ्यों एवं वीडियो क्लिपों के आधार पर समाज में गहरी आशंका एवं चिंता का वातावरण निर्मित हुआ है। अतः इस प्रकरण की निष्पक्ष, पारदर्शी एवं उच्चस्तरीय जाँच अत्यन्त आवश्यक है।ज्ञापन में बताया कि जैन साधु-संत पूर्णतः निहत्थे, अहिंसक एवं पैदल विहार करने वाले तपस्वी होते हैं। वे किसी प्रकार की सुरक्षा या सुविधाओं का उपयोग नहीं करते तथा समाज में शांति, संयम और अहिंसा का संदेश प्रसारित करते हैं।ऐसे संतों के साथ लगातार बढ़ती दुर्घटनाएँ एवं हमले सम्पूर्ण समाज के लिए अत्यन्त चिंताजनक विषय हैं।ज्ञापन के दौरान जैन समाज के अध्यक्ष राजेंद्र जैन, मंत्री राजेश जैन, कोषाध्यक्ष देवचंद जैन विनोद जैन, विपिन जैन , लकी जैन , सचिन जैन, आशीष जैन, मक्खन लाल जैन, मुकेश जैन नागर वाले, कैलाशी जैन, विपिन जैन नायक मोनू जैन मेडिकल, गौरव जैन चौधरी, सचिन जैन, मुकेश जैन पटवारी, विजय जैन,सुनील जैन, बंटी जैन, रामकुमार जैन, ललित जैन, रामू जैन, रिद्धि जैन सिद्धि जैन आराध्य जैन अमित जैन सहित जैन समाज के लोग मौजूद रहे।

रीवा के आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी की मांग

समाज के लोगों ने दोषियों की शीघ्र गिरफ्तारी कर सख्त कार्रवाई की मांग की।साथ ही धार्मिक यात्राओं के दौरान विशेष सुरक्षा व्यवस्था लागू करने व भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए ठोस सुरक्षा इंतजाम करने की बात कही। इसके साथ ही समाज के लोगो ने मांग की कि इस प्रकरण की रक्ळ अथवा न्यायिक जाँच कराई जाए। घटना से संबंधित सभी सीसीटीवी वीडियो एवं डिजिटल साक्ष्य सुरक्षित किए जाएँ। यदि सुनियोजित कृत्य अथवा षड्यंत्र के तथ्य मिलें, तो तदनुसार कठोर धाराएँ लगाई जाएँ, दोषियों पर कठोरतम कानूनी कार्यवाही की जाए।

पुलिस ने शान्ति भंग में छह अभियुक्तों को किया गिरफ्तार

राजीव मोंगरा

सहारनपुर(वेलकम इंडिया)। थाना फतेहपुर पुलिस ने शान्ति भंग करने वाले छह अभियुक्तगणों को गिरफ्तार किया है। बता दे कि वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, सहारनपुर द्वारा दिए गए आदेश के क्रम में पुलिस अधीक्षक ग्रामीण, क्षेत्राधिकारी सदर के निकट पर्यवेक्षण में तथा प्रभारी निरीक्षक वीरेन्द्र सिंह राणा के कुशल नेतृत्व अपराधों की रोकथाम व तलाश वाँछित वारण्टी अभियुक्तगण की गिरफ्तारी व शान्ति व्यवस्था को दृष्टिगत रखते हुए चलाये जा रहे अभियान के अन्तर्गत थाना फतेहपुर पुलिस ने ग्राम गन्देवडा से आपस में घर के सामने पैडी निकालने को लेकर झगड रहे पार्टी प्रथम के महमूद पुत्र शमशाद, बिलाल पुत्र शमशाद, खुशनूद पुत्र शमशाद, सिब्बू उर्फ सरफराज पुत्र नौशाद व पार्टी द्वितीय के जैनाब्दीन पुत्र फुरकान, शहनवाज पुत्र इशहाक निवासीगण गन्देवडा थाना फतेहपुर को शान्ति व्यवस्था भंग होने की पूर्ण सम्भावना को दृष्टिगत रखते हुए धारा 170ध126ध135 बीएनएसएस के तहत गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार अभियुक्तगणों को आवश्यक विधिक कार्यवाही कर मा0 न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है।

11.23 ग्राम स्मैक के साथ शातिर नशा तस्कर दबोचा

राजीव मोंगरा

सहारनपुर(वेलकम इंडिया)। सहारनपुर जनपद की थाना कोतवाली नगर पुलिस ने मादक पदार्थों की तस्करी करने वाले एक शातिर नशा तस्कर अभियुक्त को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 11.23 ग्राम स्मैक, एक मोबाइल फोन व घटना में प्रयुक्त एक मोटर साइकिल बरामद की है। बता दे कि पुलिस उपमहानिरीक्षक, सहारनपुर परिक्षेत्र, सहारनपुर द्वारा मादक पदार्थों/नशे के अवैध कारोबार, प्रतिबंन्धित दवाओं की तस्करीध्बिक्री पर प्रभावी रोकथाम के लिए ठोस एवं समन्वित कार्यवाही हेतु परिक्षेत्र सहारनपुर के तीनों जनपदों में ऑपरेशन सवेरा-नशे के अंधकार से जीवन के उजाले की ओर अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के क्रम में क्षेत्राधिकारी नगर प्रथम के निकट पर्यवेक्षण में तथा प्रभारी निरीक्षक प्रमोद कुमार सिंह के कुशल नेतृत्व में थाना कोतवाली नगर पुलिस टीम ने मुखबिर की सूचना पर चेकिंग के दौरान एक नशा तस्कर अभियुक्त रूपेश गुप्ता पुत्र रामकुमार गुप्ता निवासी मो0 मेमारान खालापार थाना कोतवाली नगर जनपद सहारनपुर उम्र करीब 36 वर्ष को राजकीय बालिका विद्यालय के खण्डहर के पास थाना कोतवाली नगर जिला सहारनपुर से गिरफ्तार किया है।जिसके कब्जे से 11.23 ग्राम अवैध स्मैक व घटना में प्रयुक्त एक मो0सा0 टीवीएस जिसका रजि0नं0 यूपी11एयू0712 व 01 अदद एनड्रोइड मोबाइल फोन आईएमईआई 353632092216582/02 बरामद हुए है। गिरफ्तारी व बरामदगी के आधार पर अभियुक्त के विरूद्ध थाना कोतवाली नगर पर मु0अ0स0 119/2026 धारा 8/21 एनडीपीएस एक्ट पंजीकृत किया गया है।

गिरफ्तार अभियुक्त के विरूद्ध आवश्यक विधिक कार्यवाही कर माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है।

दो शातिर चोर गिरफ्तार, कब्जे से चोरी की दो सोलर प्लेट बरामद

राजीव मोंगरा

सहारनपुर(वेलकम इंडिया)। सहारनपुर जनपद की थाना जनकपुरी पुलिस ने दो शातिर चोरों को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से चोरी की दो सोलर प्लेट बरामद की है। बता दे कि वादी समय सिंह पुत्र हरिराम निवासी म्हाडी के पास चकहरेटी थाना जनकपुरी जनपद सहारनपुर ने थाने में लिखित तहरीर देकर अभियुक्तगण अंकित पुत्र शिवकुमार व शहजाद पुत्र कल्लन निवासीगण चकहरेटी थाना जनकपुरी जिला सहारनपुर पर उसके खेत में लगी दो सोलर प्लेट चोरी कर ले जाने के सम्बन्ध में थाना जनकपुरी पर मु0अ0सं0 116ध26 धारा 303(2) बी0एन0एस0 पंजीकृत कराया था। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, सहारनपुर द्वारा उपरोक्त घटना का तत्काल संज्ञान लेते हुए अभियुक्त की शीघ्र गिरफ्तारी हेतु दिशा–निर्देश दिए, जिसके क्रम में पुलिस अधीक्षक नगर एवं अपर पुलिस अधीक्षकध्क्षेत्राधिकारी नगर द्वितीय के निकट पर्यवेक्षण में तथा प्रभारी निरीक्षक थाना जनकपुरी नेमचन्द सिहं के कुशल नेतृत्व में पुलिस टीम ने त्वरित कार्यवाही करते हुए अभियुक्तगण अंकित पुत्र शिवकुमार व शहजाद पुत्र कल्लन निवासीगण चकहरेटी थाना जनकपुरी जिला सहारनपुर को गिरफ्तार कर लिया। जिनके कब्जे से 02 सोलर प्लेट बरामद हुई है। बरामदगी के आधार में धारा 317(2) बीएनएस की वृद्धि की गयी। अभियुक्तों के विरुद्ध अन्य आवश्यक विधिक कार्यवाही कर समय से माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है।

बाड़ी पुलिस एवं पूर्व सैनिकों की अभिनव पहल

'जीवन रक्षा,सड़क सुरक्षा' अभियान के तहत यातायात जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

वेलकम इंडिया संवाददाता

बाड़ी धौलपुर। महानिरीक्षक पुलिस भरतपुर रेंज भरतपुर एवं जिला पुलिस अधीक्षक धौलपुर के निदेर्शानुसार चलाए जा रहे 'जीवन रक्षा सड़क सुरक्षा अभियान' के तहत थाना बाड़ी कोतवाली पुलिस द्वारा पूर्व सैनिकों के सहयोग से एक अभिनव पहल की शुरूआत की गई।

कार्यक्रम के दौरान थाना बाड़ी क्षेत्र के पूर्व सैनिकों ने अपने निर्धारित गणवेश में यातायात व्यवस्था को संभालते हुए वाहन चालकों को सड़क सुरक्षा एवं यातायात नियमों की जानकारी दी।

पूर्व सैनिकों द्वारा दुपहिया एवं चौपहिया वाहन चालकों से यातायात नियमों की पालना करने की अपील की गई। जागरूकता अभियान में बाड़ी थाना के यूथ सीएलजी सदस्यों द्वारा भी सहयोग प्रदान किया गया।

इस दौरान हेलमेट पहनकर वाहन चलाने वाले दुपहिया वाहन चालकों को गुलाब पुष्प भेंट कर सम्मानित एवं प्रोत्साहित किया गया। वहीं बिना हेलमेट वाहन चलाने वाले लोगों को सड़क दुर्घटनाओं के प्रति जागरूक करते हुए मार्मिक रूप से समझाइश दी गई तथा भविष्य में यातायात नियमों का पालन करने की अपील की गई।

साथ ही, ट्रैफिक पुलिस बाड़ी एवं कोतवाली थाना पुलिस द्वारा यातायात नियमों की अवहेलना करने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध इन्फोर्समेंट कार्रवाई करते हुए 18 वाहन चालकों के खिलाफ चालानी कार्रवाई की गई। बाड़ी थाना पुलिस द्वारा पूर्व सैनिकों के साथ मिलकर चलाया गया यह यातायात जागरूकता अभियान क्षेत्र में सड़क सुरक्षा के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने की दिशा में एक सराहनीय एवं अभिनव पहल साबित हुआ।

भीषण गर्मी में विद्युत विभाग की मानवीय पहल, कैलाशपुर उपखंड टीम ने राहगीरों को पिलाया शीतल शर्बत

राजीव चौधरी

गागलहेडी(वेलकम इंडिया)। तपती धूप और भीषण गर्मी गर्मी के बीच उपखण्ड कार्यालय कैलाशपुर पर विद्युत विभाग की टीम ने इंसानियत और सेवा का ऐसा उदाहरण पेश किया- जिसने राह चलते लोगों के दिल जीत लिया उपखंण्ड कार्यालय कैलाशपुर के बाहर सड़क पर बिजली उपभोक्ताओं व राहगीरों, मजदूरों, रिक्शा चालकों यात्रियों व आम नागरिकों को मीठा शर्बत पिलाकर राहत पहुंचाई गई। जैसे ही शर्बत वितरण शुरू हुआ, लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी और हर किसी ने इस नेक पहल की जमकर प्रशंसा की लोगों ने कहा कि समाजसेवा केवल शब्दों से नहीं, बल्कि जरूरतमंदों के बीच उतरकर की जाती है। एसडीओ अंकित त्यागी ने कहा भीषण गर्मी में प्यासे लोगों को पानी और शर्बत पिलाना सबसे बड़ा पुण्य का काम है।इस अवसर पर सभी कैलाशपुर विद्युत विभाग स्टाप सहित जेई सुनील कुमार व जेई अमित कुमार लाइनमैन व पेट्रोलमैन व संविदा कर्मी मौजूद रहे।

तरया सुजान थाने की तीन फेड़िया चौकी इंचार्ज पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप

वेलकम इंडिया संवाददाता

कुशीनगर। कुशीनगर जिले के तरया सुजान थाना क्षेत्र से भ्रष्टाचार का एक बड़ा मामला सामने आ रहा है।यहाँ की तीन फेड़िया पुलिस चौकी के इंचार्ज पर अवैध वसूली और खनन माफियाओं को संरक्षण देने के बेहद गंभीर आरोप लग रहे हैं।बिरवत कोनवलिया निवासी ललित सिंह ने बताया चौकी के पीछे बालू की खनन जोर सोर से चौकी प्रभारी महोदय के संरक्षक में चल रही है लेकिन अभी तक कोई भी कार्रवाई नहीं हुई

क्या हैं मुख्य आरोप?

अवैध बालू खननः चौकी क्षेत्र में बिना रोक-टोक के बालू का अवैध धंधा चलवाने का आरोप रात के अंधेरे से लेकर दिन के उजाले तक प्रतिदिन होती है बिना रोक-टोक के अवैध खनन चौकी प्रभारी महोदय के कार्य शैली पर सवाल उठाए जा रहे हैं।

मिट्टी की अवैध खुदाई : नियमों को ताक पर रखकर धड़ल्ले से कराई जा रही मिट्टी तथा सफेद बालू की की खुदाई ।योगी सरकार की 'जीरो टॉलरेंस' नीति के बीच पुलिस महकमे के जिम्मेदार पद पर बैठे व्यक्ति पर ऐसे आरोप लगना बेहद चिंताजनक है।जिसकी जांच होनी चाहिए।

एक हजार प्रतिदिन की वसूली : चर्चा है कि इन अवैध कार्यों को संरक्षण देने के बदले कथित तौर पर 1,000 प्रतिदिन की बंधी-बंधाई रिश्वत ली जा रही है।

शिक्षामित्रों के हित में स्थायी समाधान की मांग तेज, जिलाध्यक्ष धर्मेंद्र चौधरी ने सीएम योगी को भेजा विस्तृत पत्र

वेलकम इंडिया संवाददाता

अलीगढ/उत्तर प्रदेश। डीएलएड संयुक्त प्रशिक्षु संघ के जिलाध्यक्ष एवं शिक्षक धर्मेंद्र चौधरी ने प्रदेश के शिक्षामित्रों के हितों को लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को एक विस्तृत पत्र भेजते हुए कई महत्वपूर्ण और दूरगामी मांगें उठाई हैं। धर्मेंद्र चौधरी ने अपने पत्र में शिक्षामित्रों के सम्मान, आर्थिक सुरक्षा, भविष्य की स्थिरता और सामाजिक न्याय से जुड़े मुद्दों को प्रमुखता से उठाया है। उन्होंने हाल ही में सरकार द्वारा शिक्षामित्रों की सेवा अवधि 60 वर्ष से बढ़ाकर 62 वर्ष करने के प्रस्ताव का स्वागत करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और सरकार के प्रति आभार भी व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि प्रदेश के लाखों शिक्षामित्र पिछले 20 से 26 वर्षों से शिक्षा व्यवस्था को मजबूत करने, ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा की अलख जगाने और बच्चों के भविष्य निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। ऐसे में उनके लिए केवल अस्थायी नहीं बल्कि एक स्थायी और न्यायसंगत समाधान की आवश्यकता है। धर्मेंद्र चौधरी ने अपने पत्र में मांग की कि शिक्षामित्रों को वर्तमान 18,000 मानदेय के स्थान पर कम से कम 40,000 प्रतिमाह सम्मानजनक मानदेय दिया जाए। उन्होंने कहा कि यह राशि उनके कार्य, अनुभव और महंगाई के अनुरूप होनी चाहिए। साथ ही उन्होंने यह भी मांग की कि हर वर्ष महंगाई दर के अनुसार मानदेय में नियमित बढ़ोतरी के लिए एक स्पष्ट नियमावली बनाई जाए, जैसा कि राज्य कर्मचारियों के वेतनमान में होता है। इसके अलावा उन्होंने शिक्षामित्रों के लिए सेवानिवृत्ति के बाद पेंशन, फंड और सामाजिक सुरक्षा व्यवस्था लागू करने की मांग की। उन्होंने कहा कि वर्षों तक सेवा देने के बाद शिक्षामित्रों का भविष्य सुरक्षित होना चाहिए ताकि उनका बुढ़ापा सम्मान और आर्थिक स्थिरता के साथ बीते।

उन्होंने विशेष रूप से मृतक शिक्षामित्रों के परिवारों की स्थिति पर भी चिंता जताई। धर्मेंद्र चौधरी ने कहा कि प्रदेश में 13 हजार से अधिक मृतक शिक्षामित्रों के परिवार आज भी आर्थिक संकट से जूझ रहे हैं, ऐसे में सरकार को उनके आश्रितों के लिए विशेष सहायता, रोजगार या आर्थिक सुरक्षा योजना लागू करनी चाहिए। अपने पत्र में उन्होंने सुप्रीम कोर्ट के आदेशों का भी उल्लेख किया, जिसमें कहा गया है कि यदि कोई अस्थायी कर्मचारी लंबे समय तक समान कार्य करता है तो उसे समान सुविधाएं मिलनी चाहिए। उन्होंने कहा कि शिक्षामित्र वर्षों से नियमित शिक्षकों की तरह कार्य कर रहे हैं, इसलिए उन्हें भी समान अधिकार और सम्मान मिलना चाहिए। धर्मेंद्र चौधरी ने यह भी कहा कि सरकार पहले ही शिक्षामित्रों का मानदेय 10,000 से बढ़ाकर 18,000 कर चुकी है, जो एक सकारात्मक कदम है, लेकिन यह समस्या का स्थायी समाधान नहीं है। उन्होंने कहा कि अब समय आ गया है कि सरकार एक बड़ा और ऐतिहासिक निर्णय लेकर शिक्षामित्रों के भविष्य को सुरक्षित करे। अंत में उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से विनम्र निवेदन करते हुए कहा कि शिक्षामित्रों से जुड़े सभी मुद्दों पर जल्द से जल्द ठोस और न्यायसंगत निर्णय लिया जाए, ताकि लाखों परिवारों को राहत मिल सके और वे सम्मानपूर्वक जीवन जी सकें। अब पूरे प्रदेश की नजर सरकार के अगले कदम पर टिकी है कि शिक्षामित्रों के लिए कोई बड़ी सौगात या स्थायी समाधान कब तक सामने आता है।

दलित छात्रा के साथ सामूहिक दुष्कर्म व अमानवीय अत्याचार मानवता को शर्मसार करने वाला कृत्य : काजी सुहेल

असदुल्लाह सिद्दीकी

डुमरियागंज/सिद्धार्थनगर(वेलकम इंडिया)। महोबा जनपद में नीट की तैयारी कर रही दलित छात्रा के साथ प्रयागराज में 16 दिनों तक बन्धक बनाकर उसके साथ सामूहिक दुष्कर्म एवं अमानवीय अत्याचार की घटना में शामिल दोषियों की तत्काल गिरफ्तारी एवं कठोरतम दण्ड की मांग को लेकर उत्तर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय के निर्देश पर सोमवार को कांग्रेस कार्यकताओं ने कांग्रेस जिलाध्यक्ष काजी सुहेल अहमद की अगुवाई में महामहिम राज्यपाल जी को सम्बोधित ज्ञापन उप जिलाधिकारी डुमरियागंज को सौंपा।

इस अवसर पर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष काजी सुहेल अहमद ने कहा कि महोबा की घटना मानवता को शर्मसार करने वाली है। प्रदेश में महिलाओं और दलित समाज की सुरक्षा को लेकर गम्भीर सवाल खड़े हो रहे हैं।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी पीड़िता को न्याय दिलाने के लिए संघर्ष करती रहेगी तथा दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा दिलाने की मांग करती है। जिला कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष अशोक गुप्ता एवं कोषाध्यक्ष रियाज मनिहार ने कहा कि किसी भी सभ्य समाज में ऐसी घटनाओं के लिए कोई स्थान नहीं हो सकता।

उन्होंने प्रदेश सरकार से मांग की कि पीड़िता एवं उसके परिवार को सुरक्षा, समुचित चिकित्सा सहायता तथा आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जाए तथा मामले की निष्पक्ष एवं समयबद्ध जांच सुनिश्चित की जाए।

इस अवसर पर ब्लाक अध्यक्ष मुकेश चौबे, आसिफ रिज्वी, अकबर अली, वलीऊल्लाह हाशमी, भीखू गौड़, अजीम अहमद, बजरंगी मौर्या, सईद मालिक, समीउल्लाह, हमजा, बब्बू राईनी सहित तमाम कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित थे।

बाइक चोर गिरफ्तार, कब्जे से चोरी की मोटरसाइकिल, अवैध चाकू बरामद

वेलकम इंडिया संवाददाता

अहमदगढ़। बुलंदशहर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक दिनेश कुमार सिंह के कुशल निर्देशन में जनपद में अपराधों पर अंकुश लगाये जाने हेतु अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के तहत सोमवार को थाना अहमदगढ़ पुलिस द्वारा 01 बाइक चोर को ढक नगला नहर पुल के पास से चोरी की मोटरसाइकिल व अवैध चाकू सहित राहुल पुत्र राजवीर निवासी ग्राम फतेहगढ थाना अहमदगढ को गिरफ्तार किया गया। अभियुक्त की गिरफ्तारी व बरामदगी के संबंध में थाना अहमदगढ़ पर पंजीकृत अभियोग में धारा 317(2) बीएनएस की वृद्धि कर मुअसं-145/26 धारा 4/25 शस्त्र अधि0 पंजीकृत कर विधिक कार्यवाही करते हुए अभियुक्त को न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया है।

दहेज हत्या का मामला: पति और सास-ससुर समेत तीन आरोपी गिरफ्तार, भेजे गए जेल

असदुल्लाह सिद्दीकी

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर(वेलकम इंडिया)। पुलिस ने क्षेत्र में सनसनी फैला देने वाले दहेज हत्या के मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए सोमवार को मृतका के पति और सास-ससुर को गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस ने तीनों आरोपियों को न्यायालय में पेश किया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया। बीते बुधवार की रात संदिग्ध परिस्थितियों में 21 वर्षीय विवाहिता उर्मिला की मौत के बाद मायके पक्ष ने हत्या का आरोप लगाते हुए तहरीर दी थी।

नाकेबंदी कर तिराहे से दबोचा

शोहरतगढ़ थाना प्रभारी नवीन कुमार सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम क्षेत्र में गश्त पर थी। इसी दौरान मुखबिर से मिली सटीक सूचना के आधार पर उपनिरीक्षक सुरेश यादव ने खुनुवा चौकी पुलिस बल के साथ प्लाईवुड तिराहा खुनुवा रोड के पास घेराबंदी की। पुलिस ने मौके से भागने की फिराक में खड़े तीन वांछित आरोपियों को दबोच लिया।

इनकी हुई गिरफ्तारी

पकड़े गए आरोपियों की पहचान मृतका के पति उदयनारायन शर्मा उर्फ गौतम, ससुर अवध बिहारी उर्फ बन्धु और सास कमलावती पत्नी अवधबिहारी के रूप में हुई है। यह सभी शोहरतगढ़ थाने के ग्राम गुजरौलिया के निवासी हैं। पुलिस ने इनके खिलाफ थाना स्थानीय पर पंजीकृत मुकदमा अपराध संख्या 86/2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता (BNS) की धारा 80(2), 85 और ३ दहेज प्रतिषेध अधिनियम (DP Act) के तहत कार्रवाई की है।

मायके पक्ष ने लगाया था आरोप

गौरतलब है कि बीते बुधवार की रात गुजरौलिया गांव में 21 वर्षीय उर्मिला की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई थी। घटना की सूचना मिलते ही रोते-बिलखते पहुंचे मायके पक्ष के लोगों ने पति और ससुराल वालों पर दहेज के लिए प्रताड़ित करने और हत्या करने का गंभीर आरोप लगाया था। मायके वालों ने थाने में प्रार्थना पत्र देकर सख्त कार्रवाई की गुहार लगाई थी, जिसके बाद पुलिस लगातार आरोपियों की तलाश में जुटी थी।

गिरफ्तारी टीम में यह रहे शामिल

दहेज हत्या के आरोपियों को सलाखों के पीछे भेजने वाली पुलिस टीम में खुनुवा चौकी प्रभारी उपनिरीक्षक सुरेश यादव, हेड कांस्टेबल अष्टवर्ती यादव, मनोज कुमार, कांस्टेबल अजीत यादव, अनिल गुप्ता, महिला कांस्टेबल जुही सिंह और महिला रिक्रूट कांस्टेबल नेहा यादव शामिल रहीं।

राज्य मंत्री ने हॉस्पिटल पहुचकर पूर्व जिला उपाध्यक्ष की बीमार मां का लिया हाल-चाल

संदीप तिवारी

वाराणसी मिजार्मुराद(वेलकम इंडिया)। राज्य मंत्री हंसराज विश्वकर्मा ने सोमवार को स्वर्गीय वंश नारायण सिंह महिला महाविद्यालय के प्रबंधक एवं भाजपा के पूर्व जिला उपाध्यक्ष संजीव सिंह गौतम के माता जी का स्वास्थ्य खराब होने की जानकारी मिलने पर राजातालाब स्थित विमला हॉस्पिटल में पहुंचकर भर्ती कवलवास देवी बीमार माताजी को देखकर स्वास्थ्य के बारे में हाल-चाल लिया तथा उनके जल्द से जल्द स्वास्थ्य लाभ हेतु ईश्वर से कामना की।

उन्होंने डॉक्टर सिद्धार्थ सिंह गौतम से माता कवल वास देवी के स्वास्थ्य के बारे में जानकारी लेते हुए अच्छी से अच्छी उपचार करने हेतु कहा। इस दौरान भाजपा जिला महामंत्री प्रवीण सिंह गौतम, अश्वनी पांडेय, गौरव पटेल, अभिषेक त्रिपाठी, राजू वर्मा, अजय विश्वकर्मा, रामचंद्र गौतम इत्यादि लोग उपस्थित रहे।

किसानों की विभिन्न समस्याओं को लेकर एसडीएम को मुख्यमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

वेलकम इंडिया संवाददाता

शिकारपुर। सोमवार को भाकियू अराजनैतिक के जिला संरक्षक चौधरी कुलदीप गुड्डू के नेतृत्व में गांव याकूबपुर बेलोंट धतूरी बनवारीपुर आदि गांवों के किसान उप जिलाधिकारी शिकारपुर के साथ वातालाप की तथा एक ज्ञापन मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश के नाम दिया गया। जिसमें किसानों की विभिन्न समस्याओं के समाधान हेतु मांग की गई।

जनपद बुलंदशहर में सभी सोसाइटी पर खाद्य यूरिया डीएपी उपलब्ध कराया जाए साधन सहकारी समिति याकूबपुर पर भी यूरिया डीएपी उपलब्ध कराया जाए अघोषित बिजली कटौती बंद हो कम से कम 18 घंटे बिजली दी जाए आवारा पशुओं को गौशाला भेजा जाए ग्रीन फील्ड एक्सप्रेस वे से उतरने चढ़ने के लिए बुलंदशहर शिकारपुर मार्ग पर रास्ता दिया जाए सभी लिंक मार्ग चकरोड मार्ग सेक्टर मार्ग काली सड़क पर अंडर पास दिए जाएं एवं सर्विस रोड दी जाए किसानों को उचित मुआवजा दिया जाए किसानों की भूमि एक्वायर की जाए बैनामों पर रोक लगे प्राइवेट स्कूलों के द्वारा मनमानी फीस वृद्धि पर रोक लगे बिल्डिंग फीस के नाम पर एडमिशन फीस के नाम पर अवैध वसूली बंद हो दाखिल खारिज के नाम पर अवैध वसूली बंद हो चौधरी कुलदीप गुड्डू ने कहा कि उपरोक्त सभी मांगों को लेकर जिलाधिकारी बुलंदशहर को एक ज्ञापन दिया जाएगा कई सचिवों के द्वारा सरकारी पैसों का गबन किया गया है बार-बार शिकायत मिलने के बाद भी सचिवों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की गई ग्राम प्रधान की जांच को जिला पंचायत राज अधिकारी दबाकर बैठ जाते हैं और भ्रष्ट कर्मचारियों को संरक्षण देने का कार्य कर रहे हैं।

उनके खिलाफ बड़ा आंदोलन और एक मीडिया प्रेस कॉन्फ्रेंस की जाएगी वह इस भ्रष्टाचार की शिकायत कमिश्नर मेरठ मंडल मेरठ एवं मुख्यमंत्री से की जाएगी इनके समस्त कार्यकाल की जांच कराई जाएगी। इस मौके पर चौधरी कुलदीप गुड्डू के साथ प्रीतम सिंह सुदेश कुमार भूपेंद्र सिंह संजू सिंह बलवीर सिंह विनोद कुमार शेर सिंह अमित कुमार संजय सिंह धर्मेंद्र कुमार दानवीर सिंह होती सिंह भूमि सिंह गंभीर सिंह शैतान कुमार मोहित कुमार शर्मा सतेंद्र शर्मा वीर कुमार शेर सिंह विजय पाल सिंह आदि किसान मौजूद रहे।

मिशन शक्ति चौपाल में महिलाओं को किया गया जागरूक

असदुल्लाह सिद्दीकी

त्रिलोकपुर/सिद्धार्थनगर(वेलकम इंडिया)। मिशन शक्ति फेज-5.0 ,द्वितीय चरण अभियान के तहत सोमवार को थाना त्रिलोकपुर पुलिस द्वारा महिलाओं एवं बालिकाओं को जागरूक करने के लिए चौपाल का आयोजन किया गया ।प्रभारी निरीक्षक हरेकृष्ण उपाध्याय के नेतृत्व में मिशन शक्ति टीम ने ग्रामीण क्षेत्रों में पहुंचकर महिलाओं को महिला सुरक्षा, साइबर अपराध एवं उससे बचाव के उपायों की जानकारी दी। पुलिस टीम ने महिलाओं को बताया कि किसी भी प्रकार की समस्या होने पर वह थाने में स्थापित मिशन शक्ति केंद्र एवं साइबर सेल में शिकायत दर्ज करा सकती हैं। साथ ही मिशन शक्ति 5.0 के स्टीकर भी चस्पा किए गए ।चौपाल में मौजूद महिलाओं और बालिकाओं से उनकी समस्याओं के बारे में जानकारी ली गई, हालांकि किसी ने कोई शिकायत नहीं बताई। इस दौरान 1090 वूमेन पावर लाइन, 181 महिला हेल्पलाइन, 112 पुलिस हेल्पलाइन, 1098 चाइल्ड हेल्पलाइन एवं 1930 साइबर हेल्पलाइन समेत अन्य आपातकालीन नंबरों की जानकारी भी दी गई। अभियान में उपनिरीक्षक कृष्ण कुमार पांडेय, उपनिरीक्षक तालीमुद्दीन खान, मुख्य आरक्षी धनंजय दूबे, आरक्षी सत्यप्रकाश यादव एवं महिला आरक्षी रुचि मौजूद रहीं।

सांसद ने गंगा में लगाई आस्था की डुबकी, पूर्व मुख्यमंत्री बाबूजी कल्याण सिंह की स्मृति स्थल पर अर्पित किए श्रद्धासुमन

वेलकम इंडिया संवाददाता

रामघाट/बुलंदशहर/नरौरा। भाजपा सांसद डॉक्टर भोला सिंह ने संसदीय क्षेत्र के नरौरा गंगा घाट पर गंगा स्नान कर स्व.कल्याण सिंह स्मृति स्थल पर पुष्प अर्पित कर किया नमन।

दशहरा पर्व के पावन अवसर पर सांसद ने पवित्र गंगा स्नान कर गंगा मैया को दूध अर्पित कर क्षेत्र की सुख-समृद्धि एवं जनकल्याण की कामना की। इस दौरान उन्होंने परम पूज्य श्रद्धेय स्वर्गीय बाबू जी कल्याण सिंह की स्मृति स्थल पर पहुंचकर श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए पुष्पांजलि अर्पित की। इसके उपरांत गंगा समिति कसेर कला द्वारा आयोजित भंडारे का शुभारंभ किया तथा श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद वितरण कर स्वयं भी प्रसाद ग्रहण किया।

सांसद भोला सिंह ने कहा, 'आस्था, सेवा और संस्कार हमारे जीवन की सबसे बड़ी प्रेरणा हैं।' धार्मिक आस्था और सामाजिक समरसता के इस आयोजन में क्षेत्रवासियों एवं कार्यकताओं में विशेष उत्साह देखने को मिला इस मौके पर सांसद प्रतिनिधि नेत्रपाल सिंह अंकुर लोधी मंडल महामंत्री परमानंद निषाद मंडल अध्यक्ष पवन प्रधान बीबी सिंह

राजू यादव कप्तान सिंह सूर्यवंशी रमेश प्रधान राकेश प्रधान चेतन लोधी मुकेश चौधरी दुर्गेश लोधी हिमांशु भारद्वाज आदि भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

गंगा दशहरा पर होगा 'गंगा भगीरथ विश्वगुरु काशी सम्मान' की घोषणा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी को प्रथम सम्मान प्रदान करने हेतु ब्रह्मराष्ट्र एकम् ने भेजा औपचारिक निवेदन

संदीप तिवारी

वाराणसी मिजार्मुराद(वेलकम इंडिया)। आस्था, अध्यात्म, संस्कृति और सनातन चेतना की राजधानी काशी में आगामी 26 मई 2026, मंगलवार को अस्सी घाट पर आयोजित होने जा रहे भव्य ह्लमाँ गंगा प्राकट्य उत्सव (गंगा दशहरा)ह्व को लेकर पूरे काशी क्षेत्र में श्रद्धा और उत्साह का वातावरण व्याप्त है। ब्रह्मराष्ट्र एकम् विश्व महासंघ न्यास, काशी एवं श्रीकुल पीठ के तत्वावधान में आयोजित इस महोत्सव में इस वर्ष अनेक विशेष आध्यात्मिक, सांस्कृतिक एवं राष्ट्रीय घोषणाएँ आकर्षण का केंद्र रहेंगी। पूज्य श्री श्री 1008 डॉ. सचिन्द्र नाथ जी महाराज, पीठाधीश्वर झ्र श्रीकुल पीठ ने बताया कि गंगा दशहरा केवल एक पर्व नहीं, बल्कि सनातन संस्कृति की आत्मा और मानवता के कल्याण का प्रतीक है। पौराणिक मान्यता के अनुसार इसी दिन राजा भगीरथ की तपस्या से माँ गंगा स्वर्ग से पृथ्वी पर अवतरित हुई थीं और भगवान शिव ने उन्हें अपनी जटाओं में धारण कर समस्त सृष्टि का कल्याण किया था।

उन्होंने कहा कि गंगा दशहरा के दिन गंगा स्नान, दान, जप, तप, सेवा और पुण्य कार्यों का विशेष महत्व बताया गया है। सनातन मान्यता है कि इस दिन श्रद्धा से माँ गंगा का पूजन एवं दान करने से मनुष्य के पापों का शमन

होता है तथा परिवार में सुख, शांति, समृद्धि और आध्यात्मिक ऊर्जा का संचार होता है। इसी उद्देश्य से प्रत्येक वर्ष हजारों श्रद्धालु इस महोत्सव में सहभागिता करते आ रहे हैं। इस वर्ष कार्यक्रम में 56 परिवारों द्वारा माँ गंगा को 56 प्रकार के भोग अर्पित किए जाएंगे, वहीं देश के लगभग 12 राज्यों से आई 5100 साड़ियों से माँ गंगा को चुनरी अर्पण किया जाएगा। साथ ही 501 लीटर दूध से दुग्धाभिषेक, भव्य गंगा आरती, सांस्कृतिक संध्या, शास्त्रीय प्रस्तुतियाँ एवं छात्र-छात्राओं हेतु रंगोली, चित्रकला, शास्त्रीय नृत्य एवं भजन-गायन प्रतियोगिताएँ आयोजित होंगी, जिससे युवा पीढ़ी को भारतीय संस्कृति एवं सनातन मूल्यों से जोड़ने का अवसर प्राप्त होगा।

कार्यक्रम का सबसे बड़ा आकर्षण यह रहेगा कि गंगा दशहरा के पावन अवसर पर मंच से यह औपचारिक घोषणा की जाएगी कि भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री एवं काशी के लोकप्रिय सांसद माननीय नरेंद्र मोदी जी को पहली बार काशी की जनता एवं ब्रह्मराष्ट्र एकम् विश्व महासंघ द्वारा गंगा भगीरथ विश्वगुरु काशी सम्मान से सम्मानित करने का निर्णय लिया गया है।

पूज्य महाराज जी ने बताया कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा माँ गंगा, काशी और सनातन संस्कृति के संरक्षण, काशी के आध्यात्मिक पुनरुत्थान, विश्वनाथ धाम कॉरिडोर, घाटों के विकास तथा भारत की सांस्कृतिक चेतना को वैश्विक मंच पर स्थापित करने हेतु किए गए कार्यों को देखते हुए यह सम्मान उन्हें समर्पित करने का निर्णय लिया गया है।

उन्होंने बताया कि इस संबंध में वाराणसी स्थित प्रधानमंत्री कार्यालय तथा नई दिल्ली स्थित कार्यालय को औपचारिक सूचना पत्र भेज दिया गया है। संगठन द्वारा निवेदन किया गया है कि प्रधानमंत्री जी जब समय प्रदान करें, तब ब्रह्मराष्ट्र एकम् का प्रतिनिधिमंडल दिल्ली जाकर उन्हें यह सम्मान अर्पित कर सकता है अथवा

सभी समस्याओं के समाधान के आश्वासन पर किसानों का धरना समाप्त

बुगरासी(वेलकम इंडिया)। बुगरासी बिजली घर पर दो दिन से चल रहा किसान यूनियन का धरना एक्शन स्याना के आश्वासन पर समाप्त। किसानों की समस्याओं को लेकर दो दिन से बुगरासी बिजलीघर पर चल रहा धरना एक्शन स्याना सतेन्द्र कुमार के इस आश्वासन पर समाप्त हो गया कि सभी समस्याओं का समाधान शीघ्र कर दिया जायेगा ।एक किसान ने जेई के साथ अभद्र व्यवहार करना चाहा लेकिन किसान नेता सुनील चौहान व कृष्ण दत्त त्यागी ने बीच में आकर कुछ भी नहीं होने दिया। हापुड़ से आये तराई किसान यूनियन के कार्यकताओं ने भी किसानों की, समस्याओं के निस्तारण को बिजली कर्मचारियों को खूब खरी खोटी सुनाई ।बताते चलें कि तराई किसान यूनियन के जिला अध्यक्ष सुनील चौहान ने बुगरासी बिजली घर पर किसानों की समस्याओं व बिजली कर्मचारियों द्वारा अवैध उघाई को लेकर बुगरासी बिजली घर पर धरना दे रखा था जो 25मई को स्याना एक्शन सतेन्द्र कुमार के आश्वासन पर कि सभी समस्याओं का निस्तारण शीघ्र कर दिया जायेगा,पर समाप्त हो गया। सुरक्षा के मद्देनजर बुगरासी पुलिस मौके पर मौजूद रही।

मोदी फाउंडेशन के अंतर्गत संचालित संस्थानों द्वारा अकोलेड 2026 का किया गया भव्य आयोजन

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। डॉ. के. एन. मोदी फाउंडेशन के अंतर्गत संचालित संस्थानों डॉ. के. एन. मोदी इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, सेंटर फॉर मैनेजमेंट डेवलपमेंट (सीएमडी), डॉ. के. एन. मोदी इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मास्यूटिकल एजुकेशन एंड रिसर्च (केएनएमआईपीईआर) एवं अन्य संस्थानों द्वारा 'अकोलेड 2026' का भव्य आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों की उपलब्धियों, उत्कृष्ट प्लेसमेंट एवं उनके उज्ज्वल भविष्य का उत्सव मनाना रहा। इस अवसर पर विभिन्न प्रतिष्ठित कंपनियों में चयनित विद्यार्थियों को सम्मानित एवं पुरस्कृत किया गया।

प्रमुख कंपनियों में पीडब्ल्यूसी में 24 लाख रुपये वार्षिक पैकेज, आईसीआईसीआई बैंक में 9 लाख रुपये वार्षिक पैकेज, यूनाइटेड एकता ग्रुप तथा ओडीलैब्स कंसल्टेंसी जैसी प्रतिष्ठित संस्थाओं में विद्यार्थियों के सफल प्लेसमेंट रहे।

कार्यक्रम के दौरान चयनित विद्यार्थियों को पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में डॉ. डी. के. मोदी जी, चेयरमैन, डॉ. के. एन. मोदी फाउंडेशन, यू. एन. मिश्रा जी, रजिस्ट्रार, डॉ. दीपांकर शर्मा, एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर, संस्थानों के निदेशकगण, डॉ. शिशिर रस्तोगी, डॉ. रविन्द्र आर्या, डॉ. विजय शर्मा, अजय प्रजापति (प्लेसमेंट हेड) सहित सभी संस्थानों के विभागाध्यक्ष एवं संकाय सदस्य उपस्थित रहे।

फाउंडेशन के चेयरमैन डॉ. डी. के. मोदी जी ने विद्यार्थियों को अपने आशीर्वचन देते हुए उनके उज्ज्वल एवं सफल भविष्य की शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी ही राष्ट्र का भविष्य हैं तथा उनकी उपलब्धियाँ संस्थान के लिए गर्व का विषय हैं। डॉ. के. एन. मोदी फाउंडेशन ने सभी छात्र-छात्राओं को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ प्रदान कीं।

कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक, प्रबंधन एवं तकनीकी गतिविधियों में उत्साहपूर्वक भाग लिया।

सभी अतिथियों एवं शिक्षकों ने विद्यार्थियों की उपलब्धियों की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। 'अकोलेड 2026' विद्यार्थियों के लिए प्रेरणादायक, गौरवपूर्ण एवं यादगार आयोजन सिद्ध हुआ।

गांव उजड़ा में विशेष टीबी जांच एवं जागरूकता शिविर का आयोजन

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। टीबी मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत गांव उजड़ा में सोमवार को एक विशेष टीबी जांच एवं जागरूकता शिविर का आयोजन समाज सेविका सुमन चौधरी के नेतृत्व में किया गया। इस शिविर का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को क्षय रोग टीबी के प्रति जागरूक करना तथा समय रहते जांच एवं उपचार के लिए प्रेरित करना रहा।

शिविर में बड़ी संख्या में ग्रामीण ने पहुंचकर अपनी जांच कराई। स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा लोगों को बताया गया कि यह एक गंभीर बीमारी है, लेकिन पूरी तरह से ठीक होने वाली बीमारी है।

यदि समय पर इसकी पहचान और इलाज कराया जाए। इस अवसर पर सुमन चौधरी ने कहा कि समाज के प्रत्येक व्यक्ति का कर्तव्य है कि वह टीवी जैसी बीमारी के प्रति जागरूक बने और दूसरों को भी जागरूक करें।

उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा टीवी मरीजों के लिए निशुल्क जांच और दवाइयां की व्यवस्था की गई है।

इसलिए किसी भी व्यक्ति को डरने या छुपाने की आवश्यकता नहीं है। शिविर में लोगों को टीवी के लक्षणों एवं बचाव के उपायों की जानकारी दी गई ।

जिनमें लगातार दो सप्ताह से अधिक खांसी आना वजन कम होना बुखार रहना और कमजोरी महसूस होना आदि लक्षण दिखाई देने पर तुरंत जांच कराए। डॉक्टर द्वारा दी गई दवाइयां का पूरा कोर्स समय पर करें। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों से अपील की गई की टीवी हारेगा, देश जीतेगा के संकल्प के साथ अभियान को अपना सहयोग दें।

ओज स्वर के 'ऋषि सम्राट' हरि ओम पंवार को जन्म दिवस पर पुस्तके भेंट की

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। अखिल भारतीय साहित्य मंच के संस्थापक एवं अध्यक्ष वरिष्ठ कवि दरयाब सिंह राजपूत 'ब्रजकण' ने परम श्रद्धेय ओज स्वर के 'ऋषि सम्राट' पंवार सहाब के 75 वें जन्म दिवस (24 मई, 2026) की अनन्त हार्दिक शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि आप ऐसे ही स्वस्थ सानन्द रहते हुए देश के श्रोताओं के हृदयों में वसे रहें, आपके स्वरों की गूंज अनन्त काल तक गुंजायमान बनी रहे। कवि दरियाब सिंह राजपूत ने पंवार सहाब को जन्मदिवस पर मंगल कामना के साथ पुष्प हार पहनाकर, अपनी दो पुस्तकें 'माखन मिसरी' तथा 'सरस्वती वंदनाएँ' भेंट की। फूलों की पंखुड़ी में, मकरंद की तरह, पूजा के थाल से उड़ी, सुगंध की तरह। मेरठ के आप गौरव, मंचों के काव्य सौरभ, 'तुम' रामचरित मानस के छंद की तरह।।

रेलवे ट्रैक पर मिले युवक के शव के मामले में परिजनों ने लगाया हत्या का आरोप

वेलकम इंडिया संवाददाता

मोदीनगर। 18 मई को रेलवे ट्रैक पर मिले युवक के शव के मामले में नया मोड़ सामने आया है। युवक के दोस्तों ने हत्या का आरोप लगाते हुए मोदीनगर थाने में शिकायत दी है। रविवार देर शाम बड़ी संख्या में युवक के दोस्त मोदीनगर थाने पहुंचे और कोतवाल का घेराव किया।उनका कहना है कि हत्या करने के बाद शव को रेलवे ट्रैक पर फेंककर हादसा दिखाने की कोशिश की गई है। मामले में जांच होनी चाहिए। किसी तरह कोतवाल ने उन्हें शांत कर जांच कराकर कार्रवाई का आश्वासन दिया। तेल मिल गेट कॉलोनी के विकास का 25 वर्षीय बेटा करण वर्मा 18 मई की सुबह घर से निकला था, लेकिन रात भी नहीं लौटा। इसपर स्वजन की तरफ से थाने में गुमशुदगी की तहरीर दी गई। इस बीच करण रेलवे ट्रैक पर खून से लथपथ बेहोशी की हालत में मिला। उस समय मोदीनगर सीएचसी से मेरठ मेडिकल के लिए करण को रेफर किया। रास्ते में करण की मौत हो गई।मेरठ पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया। शिनाख्त होने पर पुलिस ने स्वजन को सूचित किया। पुलिस इसे हादसा बता रही थी, लेकिन स्वजन ने इसे हत्या बताई। कार्रवाई की मांग को लेकर रविवार देर शाम बड़ी संख्या में कालोनी के लोग व करण के दोस्त मोदीनगर कोतवाली पहुंचे। उनके साथ पूर्व विधायक सुदेश शर्मा भी थे। यहां पुलिस से कहा कि करण के केवल सिर में चोट लगी थी। यदि ट्रेन की चपेट में आता तो शव की स्थिति बेहद बुरी हो जाती। उन्हें पूरा शक है कि पीटने के बाद करण की हत्या की गई। इसके बाद शव को रेलवे ट्रेक पर फेंका गया। इस दौरान कोतवाल को शिकायती पत्र दिया गया। मामले में छानबीन कर जल्द से जल्द पदार्फाश कराने की मांग उठाई गई। मामले में एसीपी मोदीनगर भास्कर वर्मा का कहना है कि शव की पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार है। प्राथमिक जांच में मामला हादसा ही प्रतीत हो रहा है। फिर भी छानबीन की जा रही है, उसी आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

डॉ शालिनी नैय्यर ने नागरिकों से स्वच्छता अभियान में सक्रिय भागीदारी की अपील की

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। जन जागृति सप्ताह के अंतर्गत महिला पंजाबी संगठन की अध्यक्ष, लायंस क्लब मोदीनगर अध्यक्ष, उड़ान इंटरनेशनल अध्यक्ष,एवं ब्रांड एम्बेसडर पर्यावरण पालिका परिषद मोदीनगर डॉ. शालिनी नैय्यर ने नागरिकों से स्वच्छता अभियान में सक्रिय भागीदारी की अपील की है।। ताकि मोदीनगर नगर पालिका क्षेत्र आदर्श क्षेत्र बने। डॉ. शालिनी नैय्यर ने 4-बिन सेग्रीगेशन एवं स्वच्छता को स्वस्थ और सुंदर शहर की आधारशिला बताते हुए सभी नागरिकों से 'स्वच्छता अपनाएँ, स्वस्थ जीवन पाएँ' के संकल्प के साथ अभियान से जुड़ने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि खुद भी जागरूक बने और लोगों को भी स्वच्छता के प्रति जागरूक करें। उन्होंने बताया कि पालिका अध्यक्ष विनोद वैशाली जाटव आशाषी अधिकारी अधिशासी अधिकारी नरेंद्र मोहन मिश्र एवं पालिका के सभी अधिकारी एवं कर्मचारियों के अलावा, सभी सभासद स्वच्छता अभियान में पूरी तरह से लगे हुए हैं और शहर की जनता को भी जागरूक कर रहे हैं।

मासूम से दरिंदगी पर सख्त फैसला: ऑपरेशन कन्विक्शन के तहत दोषी को 20 साल की जेल, ₹1 लाख जुमार्ना

श्री उत्कर्ष वत्स
विशेष लोक अभियोजक (पॉक्सो)

म0मु0आ0 प्रवेशपाल
पैरोकार कन्विक्शन सेल

म0आरक्षी सोनिया
पैरोकार थाना मोदीनगर

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। कमिश्नरेट गाजियाबाद पुलिस के ऑपरेशन कन्विक्शन अभियान के तहत नाबालिग से दुष्कर्म के मामले में प्रभावी पैरवी का बड़ा परिणाम सामने आया है। विशेष न्यायालय ने दोषी को 20 वर्ष के सश्रम कारावास और एक लाख रुपये के अर्थदंड की सजा सुनाई है। पुलिस आयुक्त के निर्देशन में गठित कन्विक्शन सेल के प्रयास, थाना मोदीनगर के विवेचक निरीक्षक राजीव सिंह की साक्ष्य आधारित विवेचना तथा विशेष लोक अभियोजक (पॉक्सो) उत्कर्ष वत्स की प्रभावी पैरवी के चलते यह फैसला संभव हो सका। जानकारी के अनुसार, थाना मोदीनगर में दर्ज मुकदमे में आरोपी सचिन पुत्र जसवंत सिंह, निवासी बिसोखर रोड, वाल्मीकि वाली गली, मोदीनगर को विशेष न्यायाधीश (पॉक्सो एक्ट)/अपर सत्र न्यायाधीश, गाजियाबाद ने पॉक्सो अधिनियम की धारा-6 के तहत दोषी करार देते हुए यह सजा सुनाई। मामला 7 जुलाई 2023 का है। आरोप है कि अभियुक्त ने वादिया की नाबालिग पुत्री को बहला-फुसलाकर एक खंडहरनुमा स्थान पर ले जाकर उसके साथ दुष्कर्म किया था। घटना के बाद थाना मोदीनगर में धारा 376एबी भादवि एवं 5/6 पॉक्सो अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि ऑपरेशन कन्विक्शन के माध्यम से गंभीर अपराधों में दोषियों को कड़ी सजा दिलाने के लिए प्रभावी पैरवी और मजबूत साक्ष्य प्रस्तुत किए जा रहे हैं, जिससे अपराधियों में कानून का भय कायम हो सके।

जेठ के दशहरे पर कान्हा मित्र मंडल ने लगाया मीठे जल का शिविर, राहगीरों को पिलाया शरबत

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। भीषण गर्मी और तेज धूप के बीच जेठ के दशहरे के अवसर पर गांधी मार्केट में कान्हा मित्र मंडल द्वारा मीठे जल एवं शरबत वितरण शिविर का आयोजन किया गया। पूर्व ब्लॉक प्रमुख विपिन चौधरी के सहयोग से आयोजित इस शिविर में बड़ी संख्या में राहगीरों, दुकानदारों एवं स्थानीय लोगों को ठंडा शरबत वितरित कर गर्मी से राहत पहुंचाई गई।

कार्यक्रम का नेतृत्व कान्हा मित्र मंडल के अध्यक्ष विकास जायसवाल ने किया। उनके साथ राजू एवं अतुल त्यागी सहित मंडल के अन्य सदस्यों ने पूरे उत्साह के साथ लोगों की सेवा की। सुबह से ही शिविर पर लोगों की भीड़ लगी रही और सैकड़ों लोगों ने मीठे जल का प्रसाद ग्रहण किया। इस दौरान विकास जायसवाल ने कहा कि भीषण गर्मी में लोगों की सेवा करना सबसे बड़ा पुण्य है।

जेठ के दशहरे के पावन अवसर पर मित्र मंडल द्वारा हर वर्ष सामाजिक सेवा के कार्य किए जाते हैं और आगे भी यह सेवा निरंतर जारी रहेगी। स्थानीय लोगों ने कान्हा मित्र मंडल की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे सामाजिक कार्य समाज में सेवा और भाईचारे का संदेश देते हैं। पूरे कार्यक्रम का माहौल धार्मिक एवं सेवा भावना से ओतप्रोत दिखाई दिया।

बिजली घर में शराब पार्टी का वीडियो वायरल, एसडीओ पर बदले की कार्रवाई के आरोप से गरमाई सियासत

करप्शन फ्री इंडिया संगठन का प्रदर्शन, दोषियों के निलंबन और निष्पक्ष जांच की मांग

कपिल चौहान

ग्रेटर नोएडा। दनकौर स्थित बिजली घर में कर्मचारियों के कथित रूप से शराब पीने का वीडियो वायरल होने के बाद मामला लगातार तूल पकड़ता जा रहा है। सोमवार को करप्शन फ्री इंडिया संगठन के कार्यकताओं ने बिजली विभाग के खिलाफ मोर्चा खोलते हुए जोरदार प्रदर्शन किया और एसडीओ के निलंबन की मांग उठाई।

संगठन के कार्यकर्ता प्रदेश महासचिव मास्टर दिनेश नागर के नेतृत्व में ईटेडा स्थित यूपीपीसीएल कार्यालय पहुंचे, जहां उन्होंने बिजली विभाग के खिलाफ नारेबाजी की और अधिशाषी अभियंता को संबोधित ज्ञापन जेई पवन कुमार को सौंपा। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि रीलखा निवासी हरेंद्र कसाना के यहां तीन दिन पहले विजिलेंस टीम द्वारा की गई छापेमारी बदले की भावना से कराई गई।

उनका कहना है कि दनकौर विद्युत उपकेंद्र के एसडीओ अजय गुप्ता पर शराब पार्टी का वीडियो वायरल होने के बाद हरेंद्र कसाना को निशाना बनाने के आरोप लग रहे हैं।

करप्शन फ्री इंडिया संगठन के संस्थापक चौधरी प्रवीण भारतीय ने कहा कि वायरल वीडियो में बिजली विभाग के कर्मचारी शराब पीते दिखाई दे रहे हैं। ऐसे कर्मचारियों के खिलाफ निष्पक्ष जांच कर तत्काल कार्रवाई की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार और अनुशासनहीनता को उजागर करने वालों को डराने का प्रयास लोकतांत्रिक व्यवस्था के खिलाफ है।

संगठन ने चेतावनी दी कि यदि दोषियों पर कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। प्रदर्शन के दौरान राकेश नागर, हरेंद्र कसाना, श्रवण नागर, जितेंद्र भाटी, अनुज कसाना, टीटू पहलवान, महेश नागर और संकेत कसाना समेत बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सड़क पर लापरवाही पड़ी भारी: 26 चालकों के लाइसेंस पर परिवहन विभाग की बड़ी कार्रवाई

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए परिवहन विभाग ने सख्त कार्रवाई करते हुए 26 वाहन चालकों के ड्राइविंग लाइसेंस पर दंडात्मक कार्रवाई की है। इनमें 22 चालकों के लाइसेंस निलंबित किए गए हैं, जबकि 4 चालकों के लाइसेंस निरस्त कर दिए गए हैं। कार्रवाई उन मामलों में की गई है, जिनमें वाहन चालकों की लापरवाही और तेज रफ्तार के कारण सड़क हादसे हुए थे।

सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी (प्रशासन) अशोक कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि जिलाधिकारी गाजियाबाद के निर्देश पर सड़क सुरक्षा अभियान के तहत यह कार्रवाई मोटर वाहन अधिनियम, 1988 की धारा-19 के अंतर्गत की गई है। उन्होंने बताया कि संबंधित वाहन चालक तेज गति, असावधानी और यातायात नियमों की अनदेखी करते हुए दुर्घटनाओं के जिम्मेदार पाए गए, जिनमें जनहानि भी हुई।

विभाग ने चेतावनी दी है कि सड़क सुरक्षा नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ आगे भी इसी तरह कठोर कार्रवाई जारी रहेगी।

परिवहन विभाग ने वाहन चालकों से अपील की है कि वे निर्धारित गति सीमा का पालन करें, यातायात नियमों का सम्मान करें और सुरक्षित ड्राइविंग अपनाएं, ताकि सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाई जा सके।

जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार माँदड़ की आरटीई के तहत, पात्र बच्चों को प्रवेश न देने वाले स्कूलों को कड़ी चेतावनी

ब्रज पवार

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार माँदड़ की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट स्थित महात्मा गांधी सभागार में आरटीई दाखिला योजना के अंतर्गत पात्र बच्चों का प्रवेश सुनिश्चित कराने हेतु ऐसे स्कूलों की बैठक आयोजित की गई, जिन्होंने अब तक बच्चों का दाखिला नहीं लिया है।

बैठक में जनपद के 28 विद्यालयों को आमंत्रित किया गया था, जिनमें डीपीएसजी मेरठ रोड, सेठ आनंद राम जयपुरिया स्कूल, इंदिरापुरम पब्लिक स्कूल, केआर मंगलम स्कूल, डीपीएस पब्लिक स्कूल सिद्धार्थ विहार, दशमेश पब्लिक स्कूल, डीपीएस पब्लिक स्कूल इंदिरापुरम, ऐलन हाउस स्कूल, सहज इंटरनेशनल स्कूल, गौतम पब्लिक स्कूल, रोज वैली पब्लिक स्कूल, टीआरएम पब्लिक स्कूल भोजपुर, पंडित दीन दयाल उपाध्याय स्कूल, ईस्ट दिल्ली स्कूल, कैम्ब्रिज स्कूल आदि उपस्थित हुए।

बैठक के दौरान जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार माँदड़ एवं मुख्य विकास अधिकारी कुमार सौरभ द्वारा प्रत्येक विद्यालय की क्रमवार समीक्षा की गई तथा सभी पात्र बच्चों का प्रवेश एक सप्ताह के भीतर सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

जिलाधिकारी महोदय ने आरटीई योजना के अंतर्गत दाखिला न लेने वाले विद्यालयों को कड़ी फटकार लगाते हुए स्पष्ट निर्देश दिए कि यदि कोई विद्यालय पात्र बच्चों को प्रवेश देने में लापरवाही बरतता है, तो संबंधित विद्यालय के विरुद्ध सीलिंग की कार्रवाई की जाएगी।

मुरादनगर पुलिस की बड़ी कामयाबी: चोरी की वारदातों का मास्टरमाइंड 10 हजार का इनामी बदमाश गिरफ्तार

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। थाना मुरादनगर पुलिस ने चोरी की घटनाओं के खुलासे में बड़ी सफलता हासिल करते हुए 10 हजार रुपये के इनामी अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। पुलिस टीम ने गश्त एवं चेकिंग के दौरान मुखबिर की सूचना पर कार्रवाई करते हुए आरोपी को धर दबोचा।

गिरफ्तार अभियुक्त की पहचान नरेन्द्र उर्फ गंजा पुत्र रामपाल निवासी तिलक कॉलोनी, थाना सुभाष नगर, जिला बरेली के रूप में हुई है। पुलिस ने उसे थाना मुरादनगर क्षेत्र से गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार आरोपी थाना मुरादनगर क्षेत्र में चोरी की कई घटनाओं में शामिल रहा है और उसके विरुद्ध विभिन्न स्थानों से चोरी के संबंध में पांच मुकदमे दर्ज हैं। आरोपी की गिरफ्तारी पर 10 हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया था।

पुलिस जांच में यह भी सामने आया कि इसी गिरोह से जुड़े इसके साथी अजय और वीर सिंह को पहले ही गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है। मुख्य आरोपी की गिरफ्तारी के बाद पुलिस अब अन्य वारदातों के खुलासे और नेटवर्क की जांच में जुट गई है। पुलिस द्वारा आरोपी के खिलाफ अग्रिम वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

राज कुमार गोयल गर्ल्स डिग्री कॉलेज, गढ़मुक्तेश्वर में प्रबंध समिति का चुनाव संपन्न

गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। राज कुमार गोयल गर्ल्स डिग्री कॉलेज, गढ़मुक्तेश्वर की प्रबंध समिति का चुनाव दिनांक 17 मई 2026 को सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। चुनाव प्रक्रिया निष्पक्ष, पारदर्शी एवं शांतिपूर्ण वातावरण में आयोजित की गई, जिसमें सभी सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। चुनाव परिणामों के अनुसार पुनीत अग्रवाल को प्रबंध समिति का अध्यक्ष तथा दिनेश कुमार गोयल को सचिव निर्वाचित किया गया। इसके अतिरिक्त प्रबंध समिति हेतु कुल 11 सदस्यों का चयन किया गया। यह चुनाव प्रो. अनुज कुमार द्वारा प्रेक्षक तथा डॉ. राकेश गोयल द्वारा निर्वाचन अधिकारी के रूप में उनके निर्देशन एवं देखरेख में संपन्न कराया गया। चुनाव प्रक्रिया के पारदर्शी एवं सुव्यवस्थित संचालन की सभी उपस्थित सदस्यों ने सराहना की। नवनिर्वाचित पदाधिकारियों एवं सदस्यों को शुभकामनाएं देते हुए आशा व्यक्त की गई कि नई प्रबंध समिति संस्था के विकास, उन्नति एवं शैक्षिक प्रगति में महत्वपूर्ण योगदान प्रदान करेगी।

एनएच-9 औद्योगिक क्षेत्र में भीषण अग्निकांड

एलएन इलेक्ट्रोनिक्स फैक्ट्री में लगी आग, 25 दमकल गाड़ियों ने घंटों मशक्कत कर पाया काबू

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। सोमवार दोपहर एनएच-9 से सटे बुलंदशहर इंडस्ट्रियल एरिया में स्थित एलएन इलेक्ट्रोनिक्स फैक्ट्री में भीषण आग लगने से पूरे औद्योगिक क्षेत्र में हड़कंप मच गया। आग इतनी भयावह थी कि फैक्ट्री से उठता धुएं का विशाल गुबार कई किलोमीटर दूर तक दिखाई दिया, जिससे आसपास के इलाकों में अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

प्रशासन ने स्थिति की गंभीरता को देखते हुए आसपास की कई फैक्ट्रियों को एहतियातन खाली कराया, जिससे किसी बड़े हादसे को टाला जा सके।

सीएनसी मशीन ओवरहीटिंग से आग भड़कने की आशंका मिली जानकारी के अनुसार फैक्ट्री में लगी सीएनसी मशीन के अत्यधिक गर्म होने के कारण आग भड़की, जिसने कुछ ही मिनटों में पूरी यूनिट को अपनी चपेट में ले लिया। बताया गया है कि फैक्ट्री में इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, पंखे और लाइट निर्माण का कार्य होता है, जिससे आग तेजी से फैलती चली गई।

25 दमकल गाड़ियों ने संभाला मोर्चा

आग पर काबू पाने के लिए दमकल विभाग की करीब 25 गाड़ियों को मौके पर लगाया गया। इसके साथ ही हाइड्रोलिक फायर वाहन भी बुलाया गया। साहिबाबाद, वैशाली, घंटाघर कोतवाली क्षेत्र के अलावा नोएडा से भी दमकल टीमें राहत कार्य में शामिल हुईं। दमकल कर्मियों ने करीब 17 हौज पाइप एक साथ फैलाकर कई घंटे तक लगातार आग बुझाने का प्रयास किया। बैक एरिया से भी फायर फाइटिंग ऑपरेशन चलाया गया ताकि आग को पूरी तरह नियंत्रित किया जा सके।

मौके पर अफरा-तफरी, प्रशासन अलर्ट पर

घटना स्थल पर पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी लगातार निगरानी बनाए रहे। आसपास मौजूद लोगों और कर्मचारियों में दहशत का माहौल देखने को मिला।

कोई जनहानि नहीं, लेकिन भारी नुकसान की आशंका

मुख्य अग्निशमन अधिकारी राहुल पाल ने बताया कि आग पर जल्द ही पूरी तरह काबू पा लिया जाएगा। राहत की बात यह रही कि घटना में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई है, लेकिन प्रारंभिक अनुमान के अनुसार करोड़ों रुपये के नुकसान की आशंका जताई जा रही है।

दुहाई टोल प्लाजा पर हरियाली की मिसाल, डीएम ने कहा– पर्यावरण संरक्षण का बन रहा मॉडल

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे (एनई-2) स्थित दुहाई टोल प्लाजा अब सिर्फ यातायात का केंद्र नहीं, बल्कि हरित विकास और पर्यावरण संरक्षण की मिसाल बनता नजर आ रहा है। सोमवार को जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार माँदड़ ने टोल प्लाजा का निरीक्षण कर स्वच्छता, हरियाली और प्रबंधन व्यवस्था का जायजा लिया तथा व्यवस्थाओं की सराहना की।

निरीक्षण के दौरान मियावाकी पद्धति से विकसित 'नेटिव डेंस फॉरेस्ट' परियोजना विशेष आकर्षण का केंद्र रही। करीब 26.39 एकड़ क्षेत्र में विकसित इस हरित क्षेत्र में 1.63 लाख से अधिक पौधे लगाए गए हैं। अधिकारियों के अनुसार यह घना वन क्षेत्र जैव विविधता बढ़ाने के साथ धूल और ध्वनि नियंत्रण में भी मददगार साबित हो रहा है।

डीएम ने कहा कि शहरी क्षेत्रों में इस प्रकार के हरित क्षेत्र पर्यावरण संरक्षण, पक्षियों के प्राकृतिक आवास और बेहतर वातावरण के लिए बेहद महत्वपूर्ण हैं। निरीक्षण के दौरान उन्होंने बांस से बने क्रैश बैरियर का भी अवलोकन किया, जिन्हें स्टील के विकल्प के रूप में विकसित किया जा रहा है। बताया गया कि इससे लागत में कमी आने के साथ पर्यावरण संरक्षण को भी बढ़ावा मिलेगा।

निरीक्षण के दौरान सार्वजनिक शौचालय, इंटरचेंज क्षेत्र और परिसर की स्वच्छता व्यवस्था संतोषजनक पाई गई। टोल प्लाजा परिसर में राष्ट्रीय गीतों के प्रसारण और हरित वातावरण की भी डीएम ने सराहना की। इस अवसर पर उन्होंने वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया तथा अधिकारियों को व्यवस्थाएं और बेहतर बनाने के निर्देश दिए।

आरडीसी में विशालकाय पेड़ गिरने से मची अफरा-तफरी, 10-15 वाहन क्षतिग्रस्त; बड़ा हादसा टला

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। गाजियाबाद के आरडीसी क्षेत्र में शिवम बिल्डिंग के सामने शनिवार को अचानक एक विशालकाय पेड़ गिरने से हड़कंप मच गया। पेड़ गिरने की घटना में सड़क किनारे खड़े करीब 10 से 15 वाहन क्षतिग्रस्त हो गए। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया और बड़ी संख्या में लोग एकत्र हो गए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार पेड़ अचानक भरभराकर गिर पड़ा, जिसकी चपेट में आसपास खड़े कई वाहन आ गए। घटना के समय क्षेत्र में मौजूद लोगों में दहशत का माहौल बन गया। हालांकि राहत की बात यह रही कि इस हादसे में किसी के घायल होने की सूचना नहीं मिली है, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और प्रशासनिक टीम मौके पर पहुंच गई तथा राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया गया। प्रशासनिक टीम द्वारा क्षतिग्रस्त वाहनों को हटाने और मार्ग को सुचारु कराने की कार्रवाई की गई। स्थानीय लोगों ने भी राहत कार्य में सहयोग करते हुए वाहनों को हटाने और रास्ता साफ कराने में मदद की। हादसे

के चलते कुछ समय के लिए क्षेत्र में यातायात प्रभावित रहा। प्रशासन द्वारा पेड़ हटाने और यातायात व्यवस्था सामान्य करने का कार्य जारी रखा गया।

शिक्षक सम्मान समारोह में गूंजा जीत का संकल्प: रोज बेल पब्लिक स्कूल में विधायक श्रीचंद शर्मा का भव्य स्वागत

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। मेरठ-सहारनपुर शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र से भारतीय जनता पार्टी द्वारा दोबारा उम्मीदवार घोषित किए जाने पर विधायक शिक्षक श्री श्रीचंद शर्मा का रोज बेल पब्लिक स्कूल, गाजियाबाद में भव्य सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में शिक्षा जगत से जुड़े कई गणमान्य लोगों ने भाग लेकर उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

समारोह को संबोधित करते हुए विधायक श्रीचंद शर्मा ने शिक्षकों से आगामी चुनाव में बढ़-चढ़कर मतदान करने की अपील की। उन्होंने शिक्षकों को मतदान प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी देते हुए लोकतंत्र में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि शिक्षक समाज की भूमिका केवल शिक्षा तक सीमित नहीं है, बल्कि लोकतांत्रिक व्यवस्था को मजबूत बनाने में भी उनकी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। कार्यक्रम में उपस्थित

शिक्षाविदों और अतिथियों ने विश्वास जताया कि आगामी चुनाव में विधायक श्रीचंद शर्मा पुनः ऐतिहासिक जीत दर्ज कर नया कीर्तिमान स्थापित करेंगे। इस अवसर पर रोज बेल पब्लिक स्कूल के चेयरमैन सरदार जोगेंद्र सिंह, प्रिंसिपल श्रीमती धर्मजीत कौर, केशव माधव शिक्षक संस्थान के डायरेक्टर अर्जुन शर्मा, सेल्फ फाइनेंस एसोसिएशन के प्रबंधक नरेंद्र बिल्लू, आदर्श पब्लिक स्कूल के डायरेक्टर अनिल कुमार शर्मा, गौतम पब्लिक स्कूल के आशीष गौतम, भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा महानगर अध्यक्ष बलप्रीत सिंह, ब्लूम पब्लिक स्कूल के यशवीर नागर, पूर्व मंडल अध्यक्ष बलराम रावल तथा श्री कृष्णा पब्लिक स्कूल के सीताराम सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे।

कार्यक्रम शिक्षकों के सम्मान, संगठनात्मक एकजुटता और आगामी चुनाव में विजयश्री प्राप्त करने के संकल्प के साथ संपन्न हुआ।

खोड़ा में गहराया पानी संकट: चार फेरों के दावे फेल, भीषण गर्मी में 10 लाख से अधिक लोग पानी के लिए परेशान

- चार फेरों का दावा सिर्फ कागजों में है, कई दिनों तक टैंकर नहीं आते।
- पानी के लिए सुबह से लाइन लगानी पड़ती है।
- गर्मी में सबसे ज्यादा परेशानी पानी की हो रही है।
- खरीदकर पानी पीना मजबूरी बन गया है।

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। भीषण गर्मी के बीच खोड़ा कॉलोनी में पानी का संकट लगातार गंभीर होता जा रहा है। साहिबाबाद विधानसभा क्षेत्र की इस घनी आबादी वाली कॉलोनी में करीब 10 लाख से अधिक लोग पेयजल संकट से जूझ रहे हैं। तापमान 43 से 44 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने के बावजूद लोगों को समय पर पानी उपलब्ध नहीं हो पा रहा है, जिससे जनजीवन बुरी तरह प्रभावित है।

नगर पालिका परिषद द्वारा प्रत्येक वार्ड में टैंकरों के चार-चार फेरे लगाने के दावे किए गए थे, लेकिन जमीनी स्तर पर यह व्यवस्था पूरी तरह फेल नजर आ रही है।

कई वार्डों में टैंकरों की नियमित आपूर्ति नहीं हो रही है, जबकि कई स्थानों पर घंटों इंतजार के बाद भी लोगों को पानी नहीं मिल पा रहा है।

पाइपलाइन व्यवस्था अधूरी, टैंकरों पर निर्भरता बढ़ी

स्थानीय निवासियों के अनुसार खोड़ा कॉलोनी में अभी तक पूरी तरह पाइपलाइन व्यवस्था विकसित नहीं हो सकी है, जिसके कारण बड़ी आबादी टैंकरों और निजी बोरिंग पर निर्भर है।

भूजल स्तर गिरने से कई इलाकों में 500 फीट तक गहरे बोरिंग कराए जा रहे हैं, जिन पर 5 से 7 लाख रुपये तक का खर्च आ रहा है। कई परिवार सामूहिक रूप से बोरिंग कराकर पानी की जरूरत पूरी कर रहे हैं।

70 टैंकरों के दावे पर सवाल

नगर पालिका द्वारा करीब 70 टैंकरों से जलापूर्ति का दावा किया जा रहा है, लेकिन स्थानीय लोगों का कहना है कि यह व्यवस्था नाकाफी है।

कई टैंकर खराब पड़े हैं और ट्रैक्टरों की कमी के कारण आपूर्ति प्रभावित हो रही है। नतीजतन कई क्षेत्रों में लोगों को निजी आरओ पानी विक्रेताओं से पानी खरीदना पड़ रहा है, जिससे आर्थिक बोझ भी बढ़ रहा है।

स्थायी समाधान की मांग

स्थानीय नागरिकों ने प्रशासन से मांग की है कि खोड़ा जैसे घनी आबादी वाले क्षेत्र में स्थायी और मजबूत जलापूर्ति व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। लोगों का कहना है कि हर वर्ष गर्मियों में यही समस्या दोहराई जाती है, लेकिन अब तक कोई ठोस समाधान नहीं निकाला गया है।

वसुंधरा की झुग्गी बस्ती में भीषण अग्निकांड: सिलेंडर धमाकों से दहला इलाका, एक दर्जन झुग्गियां राख

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। वसुंधरा सेक्टर-3 स्थित झुग्गी बस्ती में सोमवार दोपहर भीषण आग लगने से इलाके में अफरा-तफरी मच गई। आग इतनी तेजी से फैली कि देखते ही देखते करीब एक दर्जन झुग्गियां जलकर राख हो गईं। इस दौरान सिलेंडरों में लगातार धमाके होने से पूरे क्षेत्र में दहशत का माहौल बन गया और लोग जान बचाने के लिए इधर-उधर भागने लगे।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार आग ने कुछ ही मिनटों में विकराल रूप धारण कर लिया। आग की लपटें पास में खड़ी चार कारों तक पहुंच गईं, जिससे वे भी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गईं। घटना के बाद मौके पर लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई। सूचना मिलते ही दमकल विभाग ने तत्काल कार्रवाई करते हुए सात फायर ब्रिगेड की गाड़ियों को मौके पर भेजा। दमकल कर्मियों ने करीब 30 मिनट की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। राहत एवं बचाव कार्य में पुलिस और स्थानीय लोग भी जुटे रहे।

दमकल विभाग के अधिकारियों के मुताबिक शुरूआती जांच में आग लगने के कारणों का पता नहीं चल सका है। हालांकि सिलेंडर ब्लास्ट के चलते आग तेजी से फैलने की बात

सामने आई है। मामले की जांच जारी है।

राहत की बात यह रही कि हादसे में किसी जनहानि की सूचना नहीं है, लेकिन आग से लाखों रुपये के नुकसान की आशंका जताई जा रही है। प्रभावित परिवारों का घरेलू सामान पूरी तरह जल गया है, जिससे उनके सामने बड़ा संकट खड़ा हो गया है।

स्थानीय लोगों ने प्रशासन से प्रभावित परिवारों को तत्काल राहत सहायता देने और झुग्गी क्षेत्रों में अग्नि सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की मांग की है।